Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 37
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
शनिवार,06 सितम्बर 2025

मंत्र भारत

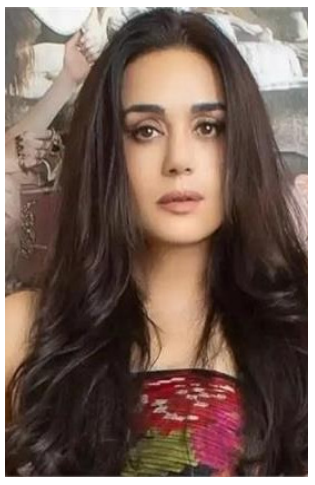

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 यूपी खेलेगा हैंडबॉल, थीम सॉन्ग लॉन्चय 25 दिसंबर | 4 एससीओ 2025 और भारत की तीन-स्तंभ रणनीति | 5 प्रीति जिंटा ने बाढ़ पीड़ितों की ओर बढ़ाया मदद

बच्चों को खेल-खेल में सिखाइए:सीएम

सीएम ने 81 टीचर्स को राज्य अध्यापक पुरस्कार से किया सम्मानित

लखनऊ (एजेंसी)। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम लोकभवन में शाम 4.00 बजे से शुरू हुआ। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परिषदीय विद्यालयों के 66 व माध्यमिक शिक्षा विभाग के 15 शिक्षकों को राज्य अध्यापक पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व मॉनिटरिंग के लिए टैबलेट, विद्यालयों में स्मार्ट क्लास की स्थापना के लिए प्रधानाचार्यों को टैबलेट व प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। इस अवसर पर सीएम योगी ने कहा कि बेसिक शिक्षा ने बाल वाटिका का एक नया रूप आया है। इस सत्र में पांच हजार से अधिक बाल वाटिकाएं शुरू हो चुकी हैं। यहां पढ़ने वाले बच्चों को मुख्यमंत्री पोषण से जोड़ने जा रहे हैं। बच्चा स्वस्थ होगा तो देश का भविष्य भी सुधरेगा। देश के अंदर सबसे ज्यादा प्रगति यूपी की बेसिक शिक्षा ने किया है। ये अलग-अलग संस्थाओं के सर्वे में साबित हो चुका है। 60 लाख से अधिक बच्चे यूपी के परिषदीय स्कूलों में पढ़ाई कर रहे हैं। सीएम ने कहा कि एससीईआरटी से कहना चाहूंगा कि पुस्तकों में पात्रों का चयन जब भी करें, तो ध्यान रखें कि वह पात्र भारतीय हों। हमारे यहां रामायण और महाभारत से अच्छे पात्र कहीं नहीं मिलेंगे। जब हमारे घरों में दादी-नानी कहानी सुनाती हैं तो देश के महापुरुषों और नायकों की कहानियां सुनाती हैं। ताकि बच्चे उनके जैसा बनने के बारे में सोचें। बच्चों को खेल खेल में सिखाइए। किताबें पतली रखें, बहुत मोटी न हों, उसे देखकर बच्चे भागें नहीं, बल्कि पढ़ने के लिए रुचि पैदा हो। सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती मना रहे हैं। उनके योगदान को याद कर रहे हैं। शिक्षकों को सिर्फ सम्मानित ही नहीं, उनकी निष्ठा और योगदान को प्रणाम करने के लिए यह कार्यक्रम है। राधाकृष्णन राष्ट्र के शिल्पकार भी हैं। उस दीपक की तरह जो खुद को जलाकर दूसरे का रास्ता प्रशस्त करता है। आठ साल में बेसिक शिक्षा विभाग की छवि बदली उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा शुरू की गई गुल्लक किताब बच्चों की कल्पनाशक्ति को नया आयाम देगी। बाल वाटिका हस्त पुस्तिका का भी विमोचन होगा। गुरु हमारे व्यक्तित्व को भी आकार देने का काम करते हैं। विभाग को नई ऊंचाई पर ले जा रहे हैं। शिक्षा की नई अलख जगाई है। पिछले आठ साल में बेसिक शिक्षा विभाग की छवि बदली है। सरकार प्रदेश में हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा बिना भेदभाव के दे रही है। बेसिक में भी लागू होंगी ठउएफ्ळ की किताबें मंत्री ने आगे कहा कि स्कूलों में डिजिटल शिक्षा, ठएढ के तहत नए प्रयोग, लर्निंग बाई डूइंग का प्रयोग कर रहे हैं। ऑपरेशन कायाकल्प के तहत सभी बेसिक सुविधा दे रहे हैं।

शिक्षक समाज के मार्गदर्शक और राष्ट्र के भविष्य के निमार्ता होते हैं : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर देशभर के शिक्षकों को शुभकामनाएं दी और कहा कि वे समाज के मार्गदर्शक और राष्ट्र के भविष्य के निमार्ता होते हैं। उन्होंने अपने संदेश में कहा, शिक्षक दिवस के अवसर पर, मैं देश के सभी शिक्षकों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। यह दिवस महान शिक्षाविद्, दार्शनिक और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती भी है, जो समस्त देश के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। उन्होंने कहा, शिक्षक हमारे समाज के मार्गदर्शक और हमारे राष्ट्र के भविष्य के निमार्ता होते हैं। अपने विवेक, ज्ञान और मूल्यों के माध्यम से, वे पीढ़ी दर पीढ़ी विद्यार्थियों में विचारों का पोषण करते हैं और उन्हें उत्कृष्टता एवं नवाचार के लिए प्रेरित करते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत एक विकसित राष्ट्र के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में अग्रसर है, ऐसे में जिम्मेदार, ज्ञानशील एवं दक्ष नागरिक बनाने में शिक्षकों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने कहा, ह्यह्यआइए, हम सब मिलकर एक ऐसा अनुकूल वातावरण बनाएं जहां शिक्षकों का सम्मान हो और विद्यार्थियों में रचनात्मकता, करुणा एवं नवाचार का संचार हो। मैं कामना करती हूं कि हमारे शिक्षक ऐसे प्रबुद्ध विद्यार्थी तैयार करने में सफल हों, जो भारत को नयी ऊंचाइयों पर ले जाएं।

देवरिया में रफ्तार का कहर, महिला समेत तीन की दर्दनाक मौत, एक घायल

देवरिया (एजेंसी)। यूपी के देवरिया जिले के देवरिया शहर के कसया रोड पर शुक्रवार की सुबह लगभग आठ बजे हुई एक सड़क दुर्घटना में एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि घायल युवक को उपचार के लिए महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है। योगी सरकार की नौकरियां पुलिस के अनुसार, जिला मुख्यालय देवरिया के कसया रोड निवासी किशन (19), अनूप (18) और राजकुमार (16) एक ही मोटरसाइकिल से सुबह करीब 8 बजे कसया रोड की तरफ जा रहे थे। अचानक कसया रोड ओवरब्रिज के समीप एक महिला सामने से आ गई। उन्होंने बताया कि मुन्नी देवी (40) को ठोकर मारने के बाद मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर, किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराई गई। इस हादसे में सभी घायल हो गए। उपचार के लिए सभी को महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज पहुंचाया गया, जहां चिकित्सक ने महिला, मोटरसाइकिल सवार अनूप और किशन को मृत घोषित कर दिया, जबकि राजकुमार का उपचार चल रहा है।

मेरठ पुलिस ने एनकाउंटर के बाद सरगना समेत तीन असलहा तस्करों को किया गिरफ्तार

मेरठ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में ऑपरेशन शस्त्र अभियान के तहत पुलिस ने शुक्रवार तड़के असलहा तस्करों के सरगना और हिस्ट्रीशीटर जॉनी उर्फ शोकेन्द्र भाटी सहित तस्करों को गिरफ्तार किया। पुलिस मुठभेड़ में दो बदमाश गोली लगने से घायल हुए हैं। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) राकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि शुक्रवार तड़के पुलिस टीम अपराधियों की धरपकड़ के लिए वाहनों की जांच कर रही थी। योगी सरकार की नौकरियां इसी दौरान सूचना मिली कि एक संदिग्ध कार नहर पटरी की ओर भाग रही है जिसमें तीन शातिर अपराधी सवार हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा घेराबंदी करने पर बदमाशों ने फायरिंग की। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश गुड्डू उर्फ युधिष्ठिर गोली लगने से घायल हो गया, जबकि दो अन्य को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया गया।

मुंबई में अनंत चतुर्दशी से पहले ब्लास्ट की धमकी,हाई अलर्ट

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई पुलिस को गुरुवार देर रात वॉट्सएप पर धमकी भरा मैसेज मिला, जिसमें दावा किया गया है कि लश्कर-ए-जिहादी के 14 आतंकी शहर में आ चुके हैं। आतंकी 400 किलो आरडीएक्स 34 गाड़ियों में लगाकर बड़ा ब्लास्ट करने वाले हैं, जिससे एक करोड़ लोगों की मौत हो सकती है। धमकी मिलते ही मुंबई पुलिस ने शहर भर में हाई अलर्ट घोषित कर दिया। क्राइम ब्रांच ने जांच शुरू कर दी है। एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड (एटीएस) व अन्य सुरक्षा एजेंसियों को भी सतर्क कर दिया गया है। दरअसल, शनिवार को गणेशोत्सव का अंतिम दिन (अनंत चतुर्दशी) है। इस दौरान लाखों श्रद्धालु सड़कों पर निकलेंगे। इसलिए सुरक्षा को और सख्त कर दिया गया है। पुलिस ने शहर के अहम इलाकों में निगरानी बढ़ा दी है और कई जगहों पर कॉम्बिंग ऑपरेशन चल रहे हैं। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी अफवाह पर विश्वास न करें और किसी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। सोमवार को महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी देने के आरोप में 43 साल के शख्स को गिरफ्तार किया गया था।

16 शिक्षकों को शैलेश मटियानी पुरस्कार, राजभवन में सीएम और राज्यपाल ने किया सम्मानित

देहरादून (एजेंसी)। प्रदेश के 16 शिक्षों को शैलेश मटियानी पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले शिक्षकों में प्रारंभिक शिक्षा के नौ, माध्यमिक के पांच और प्रशिक्षण संस्थान एवं संस्कृति शिक्षा के एक-एक शिक्षक शामिल हैं। प्रदेश के 16 शिक्षकों को आज शिक्षक दिवस के मौके पर शैलेश मटियानी राज्य शैक्षिक पुरस्कार सम्मान मिला।

राज्यपाल ले. जन गुरमीत सिंह ने शिक्षकों को राजभवन में आयोजित सम्मान समारोह में सम्मानित किया। वर्ष-2024 में चयनित 09 प्रारम्भिक शिक्षक, 05 माध्यमिक शिक्षक, 01 शिक्षक प्रशिक्षक एवं 01 संस्कृत शिक्षक को यह सम्मान प्रदान किया गया है। राज्यपाल ने पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान पूरे शिक्षक समाज की मेहनत और तपस्या का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान देने वाले ही नहीं, बल्कि चरित्र, नैतिकता और जीवन मूल्यों के निमार्ता होते हैं। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार तक सीमित नहीं होना चाहिए, अध्यापक बच्चों को संस्कारवान, जिम्मेदार और राष्ट्रभक्त नागरिक बनाने में योगदान दें। राज्यपाल ने कहा कि माता-पिता के बाद गुरु ही बच्चों के सच्चे मार्गदर्शक होते हैं और बच्चों का भविष्य सही दिशा में ले जाने में उनकी सबसे बड़ी भूमिका होती है। उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष 2047 तक भारत को विश्वगुरु बनाने में शिक्षकों का योगदान निर्णायक रहेगा। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड शिक्षा का एक प्रमुख केन्द्र रहा है, इसलिए हमारी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि हम इस परंपरा को और मजबूत बनाएं। शैलेश मटियानी पहाड़ के दर्द और संवेदनाओं को गहराई से समझने वाले कथाकार मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अपने अनुभव, ज्ञान और परिश्रम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और भविष्य को संवारने की शिक्षकों पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। मुख्यमंत्री ने शैलेश मटियानी राज्य शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त करने वाले शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि शैलेश मटियानी पहाड़ के दर्द और संवेदनाओं को गहराई से समझने वाले कथाकार थे।

भूटान ढट टोबगे ने किए श्री रामलला के दर्शन, अयोध्या में गूंजी भारत-भूटान की सांस्कृतिक मैत्री

अयोध्या (एजेंसी)। भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे और उनकी पत्नी ओम ताशी डोमा ने शुक्रवार को अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के दर्शन किए। अपनी यात्रा के दौरान, भूटानी गणमान्यों ने मंदिर में पूजा-अर्चना की और अनुष्ठानों में भाग लिया। उन्होंने मंदिर परिसर का भी निरीक्षण किया। अयोध्या में उनके कार्यक्रम सुबह उनके आगमन के बाद शुरू हुए, जब उत्तर प्रदेश के मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया और राज्य सरकार की ओर से उनका स्वागत किया। यह यात्रा तोबगे की चल रही भारत यात्रा का हिस्सा है, जो भारत और भूटान के बीच घनिष्ठ सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को रेखांकित करती है। अयोध्या में उनके आध्यात्मिक कार्यक्रम उनकी यात्रा के व्यापक विषयों से भी जुड़े हैं, जहाँ उन्होंने प्राचीन शिक्षा और साझा परंपराओं के स्थायी मूल्य पर प्रकाश डाला है। श्री राम

जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने साझा किया कि आज, भूटान के प्रधान मंत्री, महामहिम दाशो शेरिंग तोबगे, अपनी पत्नी के साथ, भव्य श्री राम जन्मभूमि मंदिर में प्रभु श्री रामलला सरकार के दर्शन करने के लिए अयोध्या धाम गए। प्रभु रामलला सरकार के दर्शन करने के बाद, उन्होंने श्री राम दरबार के भी दर्शन किए और उसके बाद कुबेर टीला में महादेव का जलाभिषेक और आरती की। इससे पहले, नालंदा विश्वविद्यालय के यूट्यूब चैनल पर लाइव प्रसारित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, तोबगे ने इस बात पर जोर दिया कि बिहार के प्राचीन शिक्षा केंद्र में निहित नालंदा भावना को निरंतर फलते-फूलते रहना चाहिए। साथ ही, उन्होंने आश्वासन दिया कि भूटान इसके प्रसार और पोषण में अपनी भूमिका निभाएगा। इस कार्यक्रम में बोलते हुए, तोबगे ने कहा, मैं नालंदा महावीर की परंपरा को जारी रखने और नालंदा भावना का प्रसार जारी रखने के लिए भारत सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूँ। और इसी भावना के साथ, भूटान को राजगीर में एक मंदिर बनाने का अवसर देने के लिए भी। उन्होंने आगे अपनी प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा, हमें इस ऐतिहासिक शहर, राजगीर की यात्रा का अवसर देने के लिए धन्यवाद। संस्थान की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए, भूटानी प्रधानमंत्री ने कहा, आज, नालंदा विश्वविद्यालय नालंदा भावना को आगे बढ़ा रहा है... नालंदा के साथ एकता में सीखें और बढ़ें। नालंदा भावना का विकास होना चाहिए और हम भूटानवासी इस भावना का प्रचार-प्रसार और पोषण करने में अपनी भूमिका निभाएँगे।

तेजस्वी का दावा

भाजपा का बिहार बंद सुपर फ्लॉप, गुंडागर्दी कर भी एक वार्ड बंद नहीं करा पाए

बिहार (एजेंसी)। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता और राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को बिहार बंद के विरोध प्रदर्शन के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला करते हुए कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा ने बिहार में दुनिया भर से गुंडागर्दी फैलाई। पर साझा की गई एक पोस्ट में, यादव ने कहा कि बिहार बंद के लिए, वे रैली की तरह ही लोगों को काम पर रख सकते थे। जैसे वे रैलियों में पुलिस और प्रशासन पर दबाव बनाते हैं, वैसे ही बंद के लिए, वे खुद पुलिस से यातायात

रोकने के लिए कह सकते थे। दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा ने कल बिहार में दुनिया भर से गुंडागर्दी फैलाई। तेजस्वी ने आगे कहा कि भाजपा के गुंडों ने खुलेआम महिलाओं और शिक्षिकाओं को पीटा, गर्भवती महिलाओ को रोका, बुजुर्गों को धक्का दिया, छात्राओं के साथ बदसलूकी की, बच्चों को स्कूल जाने से रोका, एम्बुलेंस रोकी और शहीदों के परिवारों को पीटा। उन्होंने आगे कहा, फिर भी ये निकम्मे लोग एक वार्ड तो दूर, एक पंचायत भी बंद नहीं करा पाए! शर्म आनी चाहिए इन पर! इन सब भाजपा की गुंडागर्दी को कवर न करने के लिए मीडिया पर हमला बोलते हुए, यादव ने कहा, चापलूस मीडिया भाजपा की गुंडागर्दी पर घबरा गया। बेचारे इस पर कोई बहस ही नहीं करते। विपक्ष के बंद में अगर एक छींक भी आ जाए, तो इनके स्टूडियो में जातिवादी तूफान आ जाता, इनकी पत्रकारिता पर मोर नाचने लगते, लेकिन बेचारे भाजपा की नाकामी से सदमे में हैं। इससे पहले, गुरुवार को तेजस्वी यादव ने बिहार बंद को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि उन्होंने गुंडागर्दी की कोशिश की।

पंडित धीरेंद्र शास्त्री से सीएम रेखा गुप्ता ने की खास मुलाकात, दिल्ली के विकास की प्रार्थना की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को बागेश्वरधाम के महंत धीरेन्द्र शास्त्री से अपने आधिकारिक आवास पर मुलाकात की, जहां उन्होंने और उनके परिवार ने शास्त्री से आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा,बागेश्वर धाम सरकार पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी मुख्यमंत्री जनसेवा सदन पधारे। स्नेहिल भेंट के लिए आभार। मुख्यमंत्री के मुताबिक उन्होंने और उनके परिवार ने शास्त्री से

आशीर्वाद लिया और दिल्ली के विकास के लिए प्रार्थना की। गुप्ता ने कहा,मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में बागेश्वर धाम के पूजनीय आचार्य धीरेंद्र शास्त्री जी का पावन आगमन हुआ। उनकी ऊर्जा समाज को सेवा, श्रद्धा और सनातन संस्कारों से जोड़ती है। जनसेवा के इस महायज्ञ में उनकी सहभागिता जनभावनाओं को और भी सशक्त बनाती है तथा हमें निरंतर यह प्रेरणा देती है कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। मुख्यमंत्री के मुताबिक, आचार्य धीरेंद्र शास्त्री उनके अनुरोध पर मुख्यमंत्री आवास पर आए थे।

टोटी चोरी कांड को कभी नहीं भूल सकता, अवनीश अवस्थी ने कराया था: अखिलेश

लखनऊ (एजेंसी)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव की गाड़ियों का 8 लाख का चालान कटा है। उन्होंने खुद

शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका खुलासा किया है। अखिलेश ने कहा कल ही मुझे अपने काफिले की गाड़ियों के चालान मिले। मैंने कागज को पलटकर भी नहीं देखा। क्योंकि सरकार ने चालान किया। उनके कैमरे में हमारी गाड़ी आई होगी। हमने कहा ठीक है। चालान मंजूर है। 8 लाख रुपए का चालान देना था, मैंने कहा दे दो। इसके पीछे की कहानी होगी कि जो सिस्टम (कैमरा) चला रहा होगा, वो भाजपा का नेता होगा। मैं उसे ट्रेस करूंगा कि वो भाजपा का है या नहीं। भाजपा विधायक केतकी सिंह के टोटी चोरी के आरोपों पर अखिलेश ने जवाब दिया। कहा अगर हमारे ऊपर इल्जाम लगे कि हम टोटी ले गए। हमारे घर को गंगा जल से धुलवाओगे आप? आप भूल सकते हो, मैं नहीं भूल सकता। टोटी चोरी वाले मामले को लेकर एक अखबार ने स्टिंग आपरेशन किया था। एक पत्रकार ने पूरी जानकारी हासिल की थी। इसमें सामने आया था कि एक आईएएस अवनीश अवस्थी है। एक भाग गया ओएसडी कौशिक (अभिषेक कौशिक)। उसकी हाइट डस्टबिन जितनी है। ये बात हम लोग भूलने वाले नहीं हैं। ये सरकार भी जान ले और सरकार को चलाने वाले भी जान लें। मैने कह दिया कि अवनीश ने ये कांड कराया था।

बाढ़ पीड़ितों से मिलकर केजरीवाल का छलका दर्द, बोले- खाने-पानी तक की दिक्कत, सरकार कहाँ है?

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शास्त्री पार्क क्षेत्र का दौरा किया और गंभीर जलभराव और बाढ़ जैसी स्थिति का सामना कर रहे क्षेत्रों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि हम राहत शिविर में लोगों का हालचाल जानने आए हैं। वे कई समस्याओं का सामना कर रहे हैं। उन्हें समय पर खाना नहीं मिल रहा है, मच्छरों का प्रकोप है, लेकिन उनसे निपटने के लिए कोई व्यवस्था नहीं है, पीने के पानी की समस्या है, हमें बताया गया कि कल ही टेंट लगाए गए थे, जबकि बारिश पहले से ही हो रही थी। केजरीवाल ने

आगे कहा कि हम समझ सकते हैं कि यह एक प्राकृतिक आपदा है, लेकिन लोगों के लिए सभी व्यवस्थाएँ करना सरकार की ज़िम्मेदारी है। हम सरकार से आग्रह करते हैं कि राहत शिविरों में लोगों को सभी सुविधाएँ प्रदान करें। दिल्ली में हर जगह जलभराव है, कई इलाकों में इसका मुख्य कारण समय पर गाद निकालने का काम न होना, नालों की सफाई न होना और कई इलाकों में सीवर का बैकफ़्लो होना है। उन्होंने कहा कि कई इलाकों में पीने का पानी नहीं है। इसलिए, हम सरकार से आग्रह करते हैं कि लोगों को जितनी भी सुविधाएँ उपलब्ध हों, उपलब्ध कराई जाएँ... पूरा उत्तर भारत - जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और उत्तराखंड बाढ़ से जूझ रहे हैं। इसलिए, मैं केंद्र से आग्रह करता हूँ कि लोगों को यथासंभव राहत प्रदान की जाए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र ने अफगानिस्तान में आए भूकंप के बाद राहत सामग्री उपलब्ध कराई थी। यह अच्छी बात है, लेकिन केंद्र को उन सभी राज्यों को भी राहत प्रदान करनी चाहिए जो इस समय संकट में हैं। गुरुवार सुबह 10 बजे पुराने रेलवे पुल पर यमुना का जलस्तर 207.47 मीटर दर्ज किया गया। पिछले दो घंटों से जलस्तर स्थिर बना हुआ है, आज सुबह 8 और 9 बजे भी यही स्तर दर्ज किया गया।

यान्त्रिक कारखाने का निरीक्षण करते हुए महाप्रबन्धक उदय बोरवणकर

गोरखपुर,: महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर ने 05 सितम्बर, 2025 को यान्त्रिक कारखाना, गोरखपुर का वृहद निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ प्रमुख मुख्य यान्त्रिक इंजीनियर श्री नरेश कुमार, मुख्य यान्त्रिक इंजीनियर श्री अतुल सिंह, मुख्य रोलिंग स्टाक इंजीनियर श्री हेमन्त कुमार, मुख्य कारखाना प्रबन्धक श्री धर्मेश कुमार खरे, यान्त्रिक विभाग एवं यान्त्रिक कारखाना, गोरखपुर के वरिष्ठ अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर महाप्रबन्धक ने मुख्य कारखाना प्रबन्धक प्रांगण में वृक्षारोपण किया। महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर ने यांत्रिक कारखाना स्थित कारखाना प्रशिक्षण केन्द्र में वेल्डिंग लैब, एयर प्लाज्मा कटिंग के मॉडल रूम तथा प्रशिक्षण कक्ष का निरीक्षण किया एवं आवश्यक निर्देश दिये। महाप्रबन्धक ने कारखाना मॉडल कक्ष का अवलोकन किया। इसके उपरान्त महाप्रबन्धक ने मशीन शाप, कैरेज कम्पोनेन्ट शाप, अग्नि शमन यंत्र, व्हील शाप, गैस गोदाम, बोगी शाप, एअर ब्रेक शाप, फिएट बोगी शाप, शेल रिपेयर शाप, एअर ब्रेक शाप, डी.के. एसेम्बलिंग एवं टेस्टिंग, एलएचबी पीओएच सेक्शन, फर्नीशिंग शाप, कोच लिफ्टिंग शाप, ए0सी0शाप, बोगी इण्टरमिडिएट ओवरहालिंग अनुभाग, स्प्रे पेंट अनुभाग तथा ओवरहाल किये गये कोच का निरीक्षण किया, विभिन्न शापों की कार्यप्रणाली को देखा तथा उनमें आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के उपरान्त महाप्रबन्धक ने कारखाना बैठक कक्ष में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि यांत्रिक कारखाने में किये जा रहे कार्यो, वेल्डिंग लैब, स्वच्छता आदि की प्रसंशा की। उन्होंने कहा कि कारखाने में ऐतिहासिक धरोहरों को अच्छी तरह सम्भाल कर रखा गया है इसे अद्यतन बनाये रखें। उन्होंने कारखाने को प्राप्त अनेक मानकों में प्राप्त प्रमाणीकरण पर सन्तोष व्यक्त किया। महाप्रबन्धक ने पर्यवेक्षकों का कार्य ज्ञान स्तरीय बताया तथा उन्होंने कहा कि कार्यो की गुणवत्ता में और सुधार लाकर इस कारखाना को भारतीय रेल का सर्वोत्तम कारखाना बनाने हेतु प्रयास करना चाहिए। वेल्डिंग के क्षेत्र में और भी अच्छा काम करना है। पर्यवेक्षकों को भी इसमें पारंगत होना चाहिए और उन्हे वेल्डिंग का पूरा तकनीकी ज्ञान रखना चाहिए। वेल्डिंग कार्यो पर चर्चा कर उसकी गुणवत्ता और सुधारने की जरूरत है। जो कार्य यांत्रिक कारखाना में हो रहा है वह सब तारीफ के लायक है पर इसमें और भी सुधार की जरूरत है। महाप्रबन्धक ने कहा कि कारखाना में एनर्जी कन्जर्वेशन को ध्यान में रखकर कार्यस्थल पर पर्याप्त और अच्छे स्तर की प्रकाश व्यवस्था की जानी चाहिए। महाप्रबन्धक ने कहा कि कारखाने में कार्य करने वाले सभी कर्मचारियों पर भी संरक्षा के सभी मापदंड लागू होना चाहिए। वेल्डिंग एवं एयर कंडिशनिंग की क्वालिटी को और अच्छा बनाने की जरूरत है। कारखाने में एयर कंडिशनिंग की ओवरहालिंग और बेहतर ढ़ग से की जानी चाहिए। कारखाने में एयर ब्रेक के सम्बन्ध में किया जा रहा कार्य बहुत अच्छा है। कारखाने में किये जा रहे उत्कृष्ट कार्यो की उत्कृष्टता बनाये रखने के साथ ही कमजोर क्षेत्रों को मजबूत बनाने की जरूरत है। महाप्रबन्धक ने कहा कि पानी का खर्च कम करते हुए और बेहतर ढ़ग से सफाई की जानी चाहिए।

किसानों का शोषण बर्दाश्त नहीं ़ किसान मंच

सीतापुर! मुंशीगंज किसान मंच कार्यालय पर आयोजित मासिक बैठक जिला अध्यक्ष राकेश बाजपेई की अध्यक्षता में संपन्न हुई!बैठक को संबोधित करते हुए महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष अल्पना सिंह ने कहा कि किसानों के लिए प्रदेश सरकार ने किसान हित के सभी रास्ते बन्द कर रखे हैं!योजनाएं कागजों पर सिमट कर खानापूर्ति का जरिया बन चुकी है!फसली खाद यूरिया के लिए कई कई दिन लाइन में लगकर भी खाद नहीं मिल रही?जबकि लाइनों में लगकर कई किसानों की जान जा चुकी है!यूरिया काला बाजारी में व्यस्त साधन सहकारी समितियों में तैनात कर्मचारियों ने लूट का जरिया बना रखा है!शिकायतों पर कार्रवाई न होना इस बात का प्रमाण है कि ऊपर से नीचे तक सभी मिलकर अपने निजी स्वार्थ में व्यस्त हैं!जिला अध्यक्ष राकेश बाजपेई ने जंगली जानवरों के प्रकोप से मचे त्राहिमाम का मुद्दा उठाते हुए अविलम्ब इस समस्या के लिए ठोस एवं प्रभावी कार्रवाई की मांग की!जिला उपाध्यक्ष विजय सिंह ने भू माफियाओं द्वारा समूचे जनपद में की जा रही लूट पर कहा कि संगठन द्वारा साक्ष्य और प्रमाणों के साथ की गई शिकायतों पर जिला प्रशासन का मौन उनकी खुद की सहभागिता का प्रमाण है!जिला उपाध्यक्ष रामचंद्र मौर्य ने गांजरी क्षेत्र में बाढ़ की तबाही से पीड़ित किसानों की दुर्दशा पर कहा प्रति वर्ष इस समस्या से निजात के नाम पर करोड़ों रुपए का खर्च दिखाकर प्रशासनिक अधिकारी अपनी जेब भरते हैं और समस्या ज्यों की त्यों प्रतिवर्ष क्षेत्रीय लोगों को तबाह करती है!आज की बैठक में शिव प्रकाश सिंह, उत्तम मौर्य,रजनीश कुमार बाजपेई,मो० नफीस,गायत्री देवी,मो०अहमद,शरीफ अहमद,इतवारी लाल,सिध्दार्थ मिश्रा, आशुतोष पाण्डेय,विशाल सिंह,आयुष, धीरेन्द्र यादव,रामनरेश,राम कुमार, अमित कुमार सहित पदाधिकारी साथी उपस्थित थे!

'सीतापुर में भरत मिलाप आयोजन समिति द्वारा भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न'

सीतापुर। भरत मिलाप आयोजन समिति के तत्वावधान में राजकीय इंटर कॉलेज मैदान, सीतापुर में भरत मिलाप एवं राजगद्दी कार्यक्रम हेतु भूमि पूजन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। भूमि पूजन का अनुष्ठान धर्मगुरु आशीष शास्त्री के द्वारा विधि–विधान पूर्वक सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष अमित बाजपेई 'मीतू' एवं उपाध्यक्ष राकेश त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में समिति के सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम उपरांत पत्रकारों से बातचीत में समिति अध्यक्ष अमित बाजपेई ने बताया कि आगामी 2 अक्टूबर को रामकथा एवं राम यात्रा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सुमित ओरछा एवं अन्य प्रसिद्ध कवि अपनी प्रस्तुतियाँ देंगे। इसी दिन पूर्व आयोजन समिति के दिवंगत सदस्यों के उत्तराधिकारियों को सम्मानित भी किया जाएगा। वहीं, 3 अक्टूबर को ऐतिहासिक भरत मिलाप का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने जनपदवासियों से आग्रह किया कि इस भव्य अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम का आनंद लें। समिति उपाध्यक्ष राकेश त्रिपाठी ने कहा कि यह आयोजन बहुत पुराना है, जो विगत कई वर्षों से लगातार होता आ रहा है। कोरोना काल के दौरान यह परंपरा बाधित हो गई थी, किंतु इस वर्ष से पुनः भव्य रूप में प्रारंभ की जा रही है। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष अमित बाजपेई 'मीतू', उपाध्यक्ष राकेश त्रिपाठी, विकास चतुर्वेदी हिन्दू, प्रदीप शुक्ला, मुन्नेंद्र अवस्थी, शिक्षक आकाश मिश्र, करण मिश्र, शैलेंद्र बाजपेई श्यामू, धर्मगुरु आशीष शास्त्री, मनीष मिश्रा, श्रवण बाजपेई, मोनू शुक्ला, अनुभव पांडेय, प्रदीप गुप्ता, संदीप अवस्थी, संदीप भरतिया, विश्ववीर गुप्ता, राहुल मिश्रा, मनोज तिवारी, समीक्षा तिवारी, विष्णुम्भर तिवारी, शिशिर बाजपेई, ललित श्रीवास्तव, राहुल जायसवाल, नीरज श्रीवास्तव, दिनेश मिश्रा, रजनीश मिश्रा, अरविन्द मोहन मिश्रा, पारस धवन, राहुल सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

हरदत्तपुर से 07.04 बजे छूटकर बनारस 07.30 बजे पहुँचेगी

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा 06 एवं 07 को होने वाले प्रारंभिक अर्हता परीक्षा को ध्यान में रखते हुए अभ्यार्थियों की सुविधा हेतु 09 जोड़ी अनारक्षित विशेष गाड़ियों का संचलन निम्नवत किया जा रहा है। 05327 बलिया-प्रयागराज रामबाग अनारक्षित परीक्षा विशेष गाड़ी 05 एवं 06 सितम्बर, 2025 को बलिया से 21.10 बजे प्रस्थान कर फेफना से 21.23 बजे, रसड़ा से 21.46 बजे, इंदारा से 22.14 बजे, मऊ जं. से 22.35 बजे, दुल्लहपुर से 22.56 बजे, जखनियां से 23.08 बजे, सादात से 23.19 बजे, औंड़िहार से 23.38 बजे, सारनाथ से 23.59 बजे, दूसरे दिन वाराणसी सिटी से 00.12 बजे, वाराणसी जं. से 00.35 बजे, बनारस से 00.50 बजे, कछवा रोड से 01.14 बजे, माधोसिंह से 01.28 बजे, ज्ञानपुर रोड से 01.45 बजे तथा झूसी से 02.40 बजे छूटकर प्रयागराज रामबाग 03.30 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में 05328 प्रयागराज रामबाग-बलिया अनारक्षित परीक्षा विशेष गाड़ी 06 एवं 07 सितम्बर, 2025 को प्रयागराज रामबाग से 14.00 बजे प्रस्थान कर झूसी से 14.11 बजे, ज्ञानपुर रोड से 14.55 बजे, माधोसिंह से 15.09 बजे, कछवा रोड से 15.23 बजे, बनारस से 16.06 बजे, वाराणसी जं. से 17.00 बजे, वाराणसी सिटी से 17.15 बजे, सारनाथ से 17.26 बजे, औंड़िहार से 17.51 बजे, सादात से 18.10 बजे, जखनियां से 18.21 बजे, दुल्लहपुर से 18.31 बजे, मऊ जं. से 18.55 बजे, इंदारा से 19.06 बजे, रसड़ा से 19.33 बजे, फेफना से 19.57 बजे छूटकर बलिया 20.15 बजे पहुँचेगी। 05343 बनारस-प्रयागराज रामबाग अनारक्षित परीक्षा विशेष गाड़ी 06 एवं 07 सितम्बर, 2025 को बनारस से 08.30 बजे प्रस्थान कर हरदत्तपुर से 08.40 बजे, कछवा रोड से 09.02 बजे, माधोसिंह से 09.20 बजे, ज्ञानपुर रोड से 09.45 बजे, भीटी से 10.05 बजे, हंडिया खास से 10.16 बजे तथा झूसी से 10.56 बजे छूटकर प्रयागराज रामबाग 11.30 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में 05344 प्रयागराज रामबाग-बनारस अनारक्षित परीक्षा विशेष गाड़ी 06 एवं 07 सितम्बर, 2025 को प्रयागराज रामबाग 04.30 बजे प्रस्थान कर झूसी से 04.45 बजे, हंडिया खास से 05.13 बजे, भीटी से 05.22 बजे, ज्ञानपुर रोड से 05.35 बजे, माधोसिंह से 06.20 बजे, कछवा रोड से 06.36 बजे तथा हरदत्तपुर से 07.04 बजे छूटकर बनारस 07.30 बजे पहुँचेगी। 05345 छपरा-प्रयागराज रामबाग अनारक्षित परीक्षा विशेष गाड़ी 05 एवं 06 सितम्बर, 2025 को छपरा से 18.30 बजे प्रस्थान कर सुरेमनपुर से 19.01 बजे, सहतवार से 19.18 बजे, बलिया से 19.40 बजे, करीमुद्दीनपुर से 20.06 बजे, यूसूफपुर से 20.20 बजे, गाजीपुर सिटी से 20.40 बजे, औंड़िहार से 21.22 बजे, सारनाथ से 21.50 बजे, वाराणसी सिटी से 22.11 बजे, वाराणसी जं. से 22.25 बजे, बनारस से 22.45 बजे, कछवा रोड से 23.09 बजे, माधोसिंह से 23.26 बजे, ज्ञानपुर रोड से 23.44 बजे, दूसरे दिन झूसी से 00.38 बजे छूटकर प्रयागराज रामबाग 01.30 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में 05346 प्रयागराज रामबाग-छपरा अनारक्षित परीक्षा विशेष गाड़ी 06 एवं 07 सितम्बर, 2025 को प्रयागराज रामबाग से 10.00 बजे प्रस्थान कर झूसी से 10.17 बजे, ज्ञानपुर रोड से 11.25 बजे, माधोसिंह से 11.51 बजे, कछवा रोड से 12.07 बजे, बनारस से 13.20 बजे, वाराणसी जं. से 13.50 बजे, वाराणसी सिटी से 14.17 बजे, सारनाथ से 14.27 बजे, औंड़िहार से 14.52 बजे, गाजीपुर सिटी से 15.35 बजे, यूसूफपुर से 16.00 बजे, करीमुद्दीनपुर से 16.14 बजे, बलिया से 16.35 बजे, सहतवार से 17.02 बजे, सुरेमनपुर से 17.20 बजे छूटकर छपरा 17.52 बजे पहुँचेगी। 05347 बलिया-आजमगढ़ अनारक्षित परीक्षा विशेष गाड़ी 05 एवं 06 सितम्बर, 2025 को बलिया से 22.00 बजे प्रस्थान कर फेफना से 22.14 बजे, चिलकहर से 22.35 बजे, रसड़ा से 22.49 बजे, रतनपुरा से 23.04 बजे, इंदारा से 23.01 बजे, मऊ जं. से 23.35 बजे, खुरहट से 23.51 बजे, दूसरे दिन मुहम्मदाबाद से 00.06 बजे तथा सठियावं से 00.18 बजे छूटकर आजमगढ़ 01.00 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में 05348 आजमगढ़-बलिया अनारक्षित परीक्षा विशेष गाड़ी 06 एवं 07 सितम्बर, 2025 को आजमगढ़ से 13.00 बजे प्रस्थान कर सठियावं से 13.14 बजे, मुहम्मदाबाद से 13.24 बजे, खुरहट से 13.34 बजे, मऊ जं. से 14.15 बजे, इंदारा से 14.26 बजे, रतनपुरा से 14.41 बजे, रसड़ा से 14.54 बजे, चिलकहर से 15.06 बजे तथा फेफना से 15.17 बजे छूटकर बलिया 15.45 बजे पहुँचेगी।

शिक्षकों को पुष्पगुच्छ व अंग वस्त्र देकर किया गया सम्मानित

सीतापुर राजकीय इंटर कॉलेज सीतापुर में आयोजित शिक्षक सम्मान में प्राथमिक विद्यालय गंगापुर, सिधौली, सीतापुर की प्रधानाध्यापिका श्रीमती चेतन चित्रा को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदय द्वारा उनके विद्यालय में किए गए श्रेष्ठतम शिक्षा गुणवत्ता, अनुशासन, पूर्ण गणेश में लगभग 80 से 90: तक छात्र उपस्थिति , सुंदर व सुसज्जित विद्यालय वातावरण, शिक्षक छात्र मैत्रीपूर्ण संबंध, शिक्षक अभिभावक आत्मीयता पूर्ण संबंध संबंधी कार्यों हेतु अंग वस्त्र व प्रशस्ति पत्र द्वारा सम्मानित किया गया इस संबंध में प्रधानाध्यापिका श्रीमती चेतन चित्रा का कथन है कि इस सम्मान को प्राप्त करने के लिए समस्त विद्यालय कार्मिकों व छात्रों का पूर्ण सहयोग और समर्पण ने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है इसके लिए मैं उन सभी का हृदय तल की गहराई से आभार व्यक्त करती हूं।

'श्रृद्धा व आदर के साथ मना शिक्षाविद् व भारत के द्वितीय राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन'

सीतापुर। आर जे जे एजूकेशन प्वाइंट बीरमपुर मे शिक्षक दिवस के अवसर पर सर्वप्रथम शिक्षाविद् व भारत के द्वितीय राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर विद्यालय प्रबंधक कुलदीप जयसवाल व प्रधानाचार्या पूनम जयसवाल द्वारा माल्यार्पण कर पुष्प अरपित किये तदोपरान्त विद्यालय के छात्र व छात्राओ अपने शिक्षक शिक्षिकाओ के मस्तक पर तिलक लगाकर उनका स्वागत किया। उसके बाद विद्यालय की उपप्रधानाचार्या अरूणिमा जयसवाल ने बच्चो को पर्व की जानकारी दी, तत्पश्चात बच्चो ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कुलदीप जयसवाल जी ने सभी अध्यापको को शिक्षक दिवस की बधाई दी फिर बच्चो ने इस अवसर पर अपने शिक्षको को उपहार देकर सम्मानित किया। विद्यार्थियों ने अपने अध्यापको के लिये कई खेलो का आयोजन किया और साथ ही विद्यालय परिवार की ओर से उपहार देकर शिक्षको को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समस्त शिक्षको व बच्चो के साथ विद्यालय के संस्थापक जगदीश जयसवाल व विद्यालय व्यवस्थापक रूपेश प्रिंस भी उपस्थित थे।

पितृपक्ष में पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान और श्राद्ध किया जाता

सीतापुर। सनातन धर्म में पितृपक्ष का बहुत महत्व है। पंडित ज्योतिष आचार्य ज्ञानेंद्र अवस्थी बताते हैं कि इस साल पितृपक्ष 7 सितंबर से शुरू होने वाले हैं।आश्विन का पूरा महीना ही धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यो के लिये प्रसिद्ध है जिसमें प्रथम कृष्णपक्ष पितरों के लिये अत्यन्त पवित्र माना जाता है जिसे हम पितृपक्ष कहते हैं। यह 7 सितम्बर से प्रारम्भ होगा। इस पक्ष में पितरों का श्राद्ध एवं तर्पण करना हम सनातन धर्मियों के लिये प्रथम ही अनिवार्य है। श्राद्ध तर्पण के मंत्रों से हम पितरों को तो तृप्त करते हैं इसके साथ ही समस्त गतात्मा जीव जगत को भी तृप्त करते हैं सनातन हिंदू संस्कृति में पितृपक्ष का बड़ा महत्व शास्त्रों में बताया गया है। ऐसा माना गया है कि पितरों के नाम पर श्राद्ध तर्पण एवं पिंडदान नहीं करने वाला अपने कुल वंश के उत्थान के विरुद्ध कार्य करता है, जिस तरह पिता द्वारा अर्जित संपत्ति पुत्र को मिलती है। उसी प्रकार पुत्र द्वारा श्राद्ध कर्म में किया हुआ अन्य जल भी पितरों को प्राप्त होता है। पितृपक्ष में श्राद्ध तो अपने पिता की मृत्यु तिथि को अथवा ज्ञात ना होने पर अमावस्या तिथि को करना चाहिए। पितृपक्ष के दौरान शुभ और मांगलिक कार्य ग्रह प्रवेश मुंडन नए मकान या वाहन की खरीदारी भी वर्जित होती है। इसके अलावा कुंडली में पित्र दोष दूर करने के लिए पितृपक्ष का समय सबसे अच्छा माना जाता है।पितृपक्ष में पितरों की आत्मा की शांति के लिए दान धर्म के कार्य करने का विशेष महत्व बताया गया है। इसकी 16 दिन की अवधि में लोग पूर्वजों का आशीर्वाद पाने के लिए उनका विधिवत श्राद्ध करते हैं। पितृपक्ष भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा से शुरू होता है और आश्विन मास की अमावस्या तक रहता है। इस साल पितृपक्ष 7 सितंबर से शुरू होगा और 21 सितंबर तक रहेगा पितृपक्ष के दौरान शुभ और मांगलिक कार्यों पर पूरी तरह से पाबंदी लग जाएगी। कुंडली में पित्र दोष दूर करने के लिए पितृपक्ष का समय सबसे अच्छा माना जाता है। इन दिनों पितरों को खुश करने के लिए और उनका आशीर्वाद पाने के लिए कई तरह के उपाय किए जाते हैं। पितृपक्ष में पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान और श्राद्ध किया जाता है। पितृपक्ष में ब्राह्मणों को भोजन कराने का विधान है, लेकिन जिन लोगों को अपने पूर्वजों की मृत्यु की तिथि के बारे में जानकारी नहीं होती है। वे लोग अमावस्या के दिन श्राद्ध कर सकते किन्तु देव–ऋषि–मनुष्य तर्पण पूरे पक्षभर करना चाहिये। देव कार्यादपिसदापितृकार्यविशिष्यते। अर्थात् देव कार्य से भी महत्वपूर्ण पितृकार्य को माना गया है।

खैराबाद की ऐतिहासिक जलविहार मेले का समाजसेवी व अध्यक्ष प्रतिनिधि अभिषेक गुप्ता ने फीता काट किया शुभारंभ

खैराबाद। नगर क्षेत्र मे वामन महोत्सव के उपलक्ष में लगने वाला ऐतिहासिक जल विहार मेला कल देर शाम शाम जलविहार मेला समिति के अध्यक्ष राम महेंद्र के महेंद्री टोला निवास पर वामन देव का पूजन भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष अचिन मल्होत्रा ने किया तथा देर शाम मेहंदी टोला जोशी टोला किसानी टोला तथा माखुपुर में जलविहार मेले के उपलक्ष में सजाई गई झांकियो का फीता काटकर उद्घाटन पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि तथा समाजसेवी अभिषेक गुप्त ने किया। इस अवसर पर समाजसेवी अभिषेक गुप्त ने कहा कि वामन महोत्सव के उपलक्ष में खैराबाद में अधिकांश मोहल्ले में वामन महोत्सव का आयोजन किया जाता है सुंदर झांकियां सजाई जाती है वास्तव में यह सब हमारी धरोहर है जिनको संजोकर रखना आने वाली नस्लों की जिम्मेदारी है इस अवसर पर मोहल्ला बाजदारी टोला से पूर्व निर्धारित मार्गो से गुजर कर पूरी रात भर सुंदर झांकियां पूरे नगर क्षेत्र में निकाली गई तथा कई स्थानों पर विगत वर्षों की भांति संगीत का कार्यक्रम भी कलाकारों के द्वारा आयोजित किया गया समाज सेवी अभिषेक गुप्ता ने बताया कि नगर पालिका परिषद में विगत बरसों की भांति प्रशासन की टीम हेतु व्यवस्था की गई है ताकि कोई भी व्यवधान मेले में उत्पन्नध न होने पायें। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष अचिन महरोत्रा जलविहार मेला समिति के अध्यक्ष राम महेंद्र प्रवाल महेंद्र मनोज महेंद्र राजू टंडन दिनेश महेंद्र पालिका अध्यक्ष श्रीमती बेबी गुप्ता अधिशासी अधिकारी प्रेम शंकर गुप्त निरंकार गुप्त मनोज कुमार राणा सभासद राकेश सिंह गुप्ता सभासद आलोक बाजपेई सभासद दिलीप जोशी प्रभात मिश्र प्रसून मिश्र थाना अध्यक्ष अनिल सिंह कस्बा इंचार्ज अवधेश कुमार यादव सहित श्रद्धालु मौके पर मौजूद थे।

'सरकार ने नहीं दिया ध्यान, ग्रामीणों ने खुद बना डाली सड़क'

अटरिया–(सीतापुर)– विकासखंड सिधौली क्षेत्र में स्थित शिवपुरी मजरा सरौरा गांव के निवासियों ने एक अद्भुत मिसाल पेश की है। जगह–जगह गहरे गड्ढे और बिखरी हुई गिट्टियों के कारण ग्रामीणों को, खासकर बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को, भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। बारिश के मौसम में तो यह रास्ता पूरी तरह से दलदल में तब्दील हो जाता था, जिससे गांव का बाहरी दुनिया से संपर्क लगभग टूट सा जाता था। वर्षों से जर्जर और खस्ताहाल हो चुकी गांव की मुख्य सड़क की मरम्मत के लिए जब उन्हें प्रशासन से कोई मदद नहीं मिली, तो उन्होंने खुद ही मोर्चा संभाल लिया। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क जर्जर रहने से काफी परेशानी होती है, इसके बाद भी कोई सुनना नहीं चाहता है। ग्रामीण थक–हारकर स्वतरू श्रमदान के बदौलत कच्ची सड़क बना डाली है फावड़ा, कुदाल लेकर श्रमदान करते हुए ग्रामीणों ने गांव के करीब 700 मीटर पुराने खड़ंजायुक्त मार्ग को चलने लायक बना दिया है, जिससे अब आवागमन में थोड़ी सहूलियत मिलेगी। ग्रामीणों के इस पहल की जहां सराहना हो रही है, वहीं लोग जिम्मेदारों को कोस रहे हैं। गाँव मे काफी संख्या मे लोग निवास करते है। गाव की जनसंख्या 200 के आसपास है। गांव के लल्लू, राकेश , ललिताप्रसाद ,मनोज, दयाशंकर एव वीरेंद्र के साथ कई अन्य ग्रामीणों ने न सिर्फ आर्थिक सहयोग किया, बल्कि शारीरिक श्रमदान करके भी इस कठिन कार्य को संभव बनाया।

खत्री सभा ने किया दशहरा महोत्सव और प्रदर्शनी का आयोजन के समय

कार्यक्रम में वरिष्ठ जनों को किया गया सम्मानित

सीतापुर। आजादी की जंग हो या आजादी के बाद देश के उत्थान की बात हो, खत्री समाज ने हमेशा बढ़ चढ़कर भागीदारी की है। देश के उत्थान में खत्री समाज की अहम भूमिका रही है। यह बात खत्री सभा के जिला अध्यक्ष अचिन मेहरोत्रा ने खत्री सभा के दशहरा महोत्सव एवं प्रदर्शनी के दौरान कहीं।। खत्री सभा के जयकर नाथ कपूर और डॉक्टर राज किशोर टंडन ने दशहरा महोत्सव एवं प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारंभ किया। इसी कार्यक्रम को खत्री सभा के जिला अध्यक्ष अचिन मेहरोत्रा संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी में लगे स्टाल इस बात को साफ कर रहे हैं कि खत्री समाज किस तरह से देश के उत्थान में अपनी भूमिका को निभा रहा है। हर क्षेत्र में खत्री समाज अपना योगदान दे रहा है। खत्री समाज के योगदान को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता है। इस मौके पर खत्री समाज के वरिष्ठ जनों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम को संरक्षक सुधीर मल्होत्रा, गोपाल टंडन, ने भी संबोधित किया। इस दशहरा महोत्सव और प्रदर्शनी में खत्री समाज के लोगों ने 55 स्टाल लगा रखे थे। इन स्टालों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा था। इस अवसर और उपस्थित कारागार राज्य मंत्री श्री सुरेश राही जी, श्री सौरभ मेहरोत्रा जी, श्री के सी कपूर जी, श्री जितेंद्र मेहरोत्रा जी, श्री राम मेहरोत्रा जी, श्री प्रेमनाथ पुरी जी, श्री संजय पुरी जी, श्रीमती निर्मला मेहरोत्रा जी, श्रीमती रेणु मेहरोत्रा जी, श्रीमती निधि खन्ना जी, श्री रोहित मेहरोत्रा जी, श्रीमती शोभना मेहरोत्रा जी, श्रीमती शिल्पी टंडन जी, श्री शशांक महेंद्र जी, श्रीमती नेहा महेंद्र जी, श्री मनु सहगल जी, श्रीमती अंकित सहगल जी एवं अन्य पदाधिकारी गण एवं खत्री समाज के सम्मानित जन उपस्थित रहे.....

2030 तक दलहन क्षेत्र में आत्मनिर्भर होगा भारत, नीति आयोग ने कहा- तकनीक का करना होगा ज्यादा प्रयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीति आयोग ने एक अहम रिपोर्ट में सरकार को ऐसी रणनीतियां और रास्ते अपनाने की सिफारिश की है, जिनसे भारत वर्ष 2030 तक दालों में आत्मनिर्भर बन सके। रिपोर्ट के अनुसार उत्पादन में लगातार वृद्धि होगी। यह 2030 तक अनुमानित 34.45 मीट्रिक टन और 2047 तक 51.57 मीट्रिक टन तक पहुंच जाएगी। थिंक टैंक नीति आयोग ने दाल उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार से सिफारिश की है। आयोग ने कहा है कि सरकार को ऐसी रणनीतियां अपनानी चाहिए, जिनसे वर्ष 2030 तक भारत दालों में आत्मनिर्भर बन सके। साथ ही 2047 तक देश में दालों का उत्पादन दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। उत्पादन में होगी लगातार वृद्धि नीति आयोग ने अपनी रिपोर्ट में आगे कहा कि उत्पादन में लगातार वृद्धि होगी। यह 2030 तक अनुमानित 34.45 मीट्रिक टन और 2047 तक 51.57 मीट्रिक टन तक पहुंच जाएगी। बता दें कि 2022 में इसका उत्पादन 26.06 मीट्रिक टन रहा।

'त्याग एक ऐसा धर्म जिसके बिना हमारा जीवन कष्टमय हो जाता है'

ग्वालियर

पर्यूषण महापर्व पर सन्मति सुबल वर्षायोग समिति तथा सकल जैन समाज के तत्वावधान में आध्यात्मिक श्रावक साधना शिविर का आयोजन चंपाबाग धर्मशाला में किया। धर्म सभा को संबोधित करते हुए आचार्य सुबल सागर महाराज ने कहा कि त्याग का संस्कार हमें प्रकृति से ही मिलाता है। लौकिक जीवन हो या धार्मिक बिना त्याग के कुछ भी नहीं मिलता। त्याग एक ऐसा धर्म है जिसके बिना हमारा जीवन कष्टमय हो जाता है। उन्होंने कहा कि त्याग में ही सच्चा सुख है, इसलिए हमें त्याग धर्म को स्वीकारना चाहिए।

जिनालयों में बह रही भक्ति की बयार

पर्युषण पर्व के अवसर पर शहर के आधा सैकड़ा से अधिक जैन मंदिरों में सुबह से ही पूजा-अर्चना शुरू हो जाती है। दोपहर को विभिन्न कार्यक्रम के बाद शाम को आरती और विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम व प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। श्री दिगंबर जैन वरैया पंचायती बड़ा मंदिर मामा का बाजार में सुबह श्रीजी के अभिषेक और शांतिधारा के उपरांत पूजा-अर्चना की गई। शाम को आरती के बाद पं. शैलष शास्त्री के उत्तम त्याग धर्म पर प्रवचन के बाद प्रतियोगिताएं हुईं। शुक्रवार को पर्युषण पर्व के नवें दिन सुबह श्रीजी के अभिषेक व शांतिधारा के उपरांत उत्तम आकिंचन धर्म की विशेष पूजा -अर्चना की जाएगी। इसी प्रकार माधवगंज चितेराओली, दौलतगंज, गश्त का ताजिया, नया बाजार, जयेन्द्रगंज, माधव नगर, दानाओली, सिकंदर कंपू, फालका बाजार, गोपाचल पर्वत, लोहामंडी, मुरार, ठाठीपुर के जैन मंदिरों में भी प्रतिदिन कार्यक्रम और पूजा अर्चना की जा रही है। मंदिरों को पर्व के लिए आकर्षक ढंग से सजाया गया है। फालका बाजार स्थित श्री 1008 शांतिनाथ जिनालय लाल मंदिर में दशलक्षण महापर्व का बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान इशांत जैन प्रथम, दिव्यांश जैन द्वितीय और वेदांशी जैन तथा हर्ष जैन को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

मानस भवन में व्याख्यान आयोजित

तुलसी मानस प्रतिष्ठान ग्वालियर में 'आनंदमय जीवन के लिए उपनिषद ज्ञान की आवश्यकता' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें नागपुर से आए प्रदीप भालचन्द्र लघाटे ने बताया कि मृत्यु के संबंध में मनुष्य को हमेशा से ही जिज्ञासा रही है कि मरने के बाद भी क्या मनुष्य का अस्तित्व होता है। उन्होंने कहा कि मृत्यु के बाद भौतिक और मानसिक रूप से संबंध समाप्त हो जाते हैं, लेकिन भावनात्मक और आध्यात्मिक स्तर पर संबंध जारी रह सकते हैं। व्याख्यान माला में संस्था के अध्यक्ष अभय पापरीकर, महेश मुदगल, आशीष प्रताप सिंह राठौर, आदेश शर्मा, राकेश दीक्षित, रविंद्र नायक, रामबाबू कटारे आदि उपस्थित रहे। इधर अभय पापरीकर ने बताया कि श्री लघाटे के परिवार में शोक होने के कारण कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है।

राधारानी का छठी महोत्सव आज

श्री सनातन धर्म मंदिर में श्री राधारानी का छठी महोत्सव 5 सितंबर शुक्रवार को आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर भगवान चक्रधर का राजेश्वरी श्री राधा रानी के रूप में श्रृंगार होगा। इस मौके पर भजन संध्या का आयोजन होगा।

गणपति जी का जीवन हमें प्रेरणा देता है: आदर्श दीदी

नारायणा ई- टेक्नो स्कूल द्वारा श्री गणेश उत्सव के उपलक्ष्य में पॉजिटिव थिंकिंग एवं मेडिटेशन विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता आदर्श दीदी ने कहा कि श्री गणपति का जीवन हमें बहुत प्रेरणा देता है। हम उनके जीवन से बहुत कुछ सीख सकते है। उन्होंने सकारात्मक चिंतन का महत्व बताते हुए कहा कि सकारात्मक सोच जीवन की दिशा और दशा बदल देती है अर्थात जीवन को अच्छा बना देती है। इस मौके पर उन्होंने राजयोग ध्यान कि विधि सभी को बताई और सभी को ध्यान कि गहन अनुभूति भी कराई।

श्री रामलीला समारोह का भूमि पूजन आज

श्री रामलीला समारोह समिति द्वारा फूलबाग मैदान में रामलीला के लिए भूमि पूजन 5 सितम्बर शुक्रवार को प्रातः 08:30 बजे किया जाएगा। समिति के महासचिव विजय गोयल ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर होंगे। अध्यक्षता विष्णु गर्ग करेंगे।

51 हजार श्रद्धालु करेंगे सुंदरकाण्ड का पाठ

सुंदरकांड के महाआयोजन कर तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड बना चुका जानकी सेवा संगठन ग्वालियर में अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ेगा। दिसम्बर माह में फूलबाग मैदान में 51 हजार श्रद्धालु एक साथ सुंदरकांड करेंगे। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर जानकी सेना संगठन की संभागीय बैठक ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर की मौजूदगी में गुरुवार को हुई। बैठक में श्री तोमर ने कहा कि सुंदरकांड का यह महाआयोजन ग्वालियरवासियों की आध्यात्मिक चेतना में नई ऊर्जा का संचार करेगा। इस आयोजन से हर शहरवासी को जोडने के लिए हम घर घर जाएंगे और ग्वालियर में सुंदरकांड आयोजन का एक नया इतिहास बनाएंगे। बैठक में जानकी सेना संगठन के राष्ट्रीय संरक्षक लक्ष्मीनारायण शिवहरे, राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रम सिंह रावत अशोक शर्मा, वेद प्रकाश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

वरिष्ठ महिला और पुरुषों का सम्मान किया

द्वारकापुरी विकास समिति द्वारा कॉलोनी के वरिष्ठ महिला और पुरूषों का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश भाजपा अनुशासन समिति के अध्यक्ष वेदप्रकाश शर्मा रहे। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने 70 वर्ष से अधिक उम्र के महिला-पुरूषों को शॉल पहनाकर सम्मानित किया। इस मौके पर संजय शर्मा, डॉ. राजकुमार दत्ता, रजनीश गुप्ता, यशवंत सिंह कौरव आदि उपस्थित रहे। संचालन अजय बांगर ने किया।

इनका हुआ सम्मान : इस मौके पर श्रीमती पुष्पा सिसोदिया, उर्मिला गोयल, ओम प्रकाश पुष्प, एमएल शर्मा, एसबी सोमवंशी, रमेशचन्द्र गर्ग, एमसी शर्मा, यशवंत सिंह कौरव, कस्तूरी कौरव, एमएल शर्मा, इमरती देवी शर्मा, रामस्वरूप शाक्य, कुंती देवी और एमएल शर्मा सम्मानित हुए।

गायत्री चेतना केंद्र पर श्राद्ध तर्पण कार्यक्रम 7 से

अखिल विश्व गायत्री परिवार गायत्री चेतना केंद्र पिंटू पार्क मुरार पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्राद्ध तर्पण कार्यक्रम 7 से 21 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। प्रथम पाली सुबह 5 बजे, द्वितीय 6 बजे और तृतीय पाली 7:15 बजे होगी।

श्री गणेश जी की आरती में गुरुवार को सोफिया होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं नर्सिंग कॉलेज की चेयरपर्सन डॉ. मंजीत कौर भल्ला एवं शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव शामिल हुए।

प्रताड़ित करते थे ससुराल वाले इसलिए नवविवाहिता ने दी जान

ग्वालियर

नवविवाहिता द्वारा फांसी लगाकर जान देने के मामले में पुलिस ने जांच के बाद पति, सास-ससुर और ननद- ननदोई के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज किया है। आत्महत्या से पहले नवविवाहिता ने एक सुसाइड नोट लिखा था, जिसमें आत्महत्या के लिए ससुराल वालों को जिम्मेदार बताया था। थाटीपुर थाना क्षेत्र के सिद्धेश्वर नगर में बीती 11 अगस्त को आशी गुर्जर पत्नी राजेन्द्र सिंह उम्र 21 साल ने फांसी लगाकर जान दी थी। मामले का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मर्ग कायम कर शव को पीएम हाउस पहुंचाया। पुलिस ने जब तलाशी ली तो एक सुसाइड नोट भी मिला। जिसमें मौत से पहले आशी गुर्जर ने अपने पति राजेन्द गुर्जर, सास सरोज, ससुर लोकेन्द्र गुर्जर, देवर अभिषेक गुर्जर एवं ननद पूनम व ननदोई जितेन्द्र गुर्जर के विरूद्ध परेशान करना बताया था। जांच के बाद थाटीपुर थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया।

मृतका की मां गीता देवी, पिता राजेश सिंह, ताऊ मनोज सिंह व महेश सिंह गुर्जर के कथन लिए गए तो उन्होंने बताया कि आशी की शादी 28 नवंबर 2023 को राजेन्द्र गुर्जर पुत्र लोकेन्द्र गुर्जर निवासी ग्राम महावदपुर हाल इन्द्रानगर ठाटीपुर के साथ हुई थी। शादी के 1 माह बाद से आशी को पति राजेन्द्र, सास सरोज, ससुर लोकेन्द्र, देवर अभिषेक एवं ननद पूनम व ननदोई जितेन्द्र के द्वारा दहेज में सोने की करधौनी व कार की मांग कर मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते थे।

8 महीने से गायब आकाश नासिक में मिला, 30 हजार का इनाम था

ग्वालियर

शहर से 8 महीने पहले लापता हुए 10 साल के किशोर को गिरवाई पुलिस ने तलाश लिया है। गायब बालक नासिक में था और पुलिस टीम उसे लेकर ग्वालियर के लिए रवाना हो गई है। लापता बालक पर पहले दस हजार रुपए का इनाम था और उसके बाद उस पर 30 हजार रुपए का इनाम आईजी ग्वालियर द्वारा किया गया था। गिरवाई थाना क्षेत्र के आदिवासी का पुरा से 8 जनवरी की रात को 10 वर्षीय आकाश लापता हो गया था। आकाश की दादी मुन्नीबाई ने 9 जनवरी की सुबह पुलिस को इसकी जानकारी दी कि उनका नाती कहीं गायब हो गया है। तभी से पुलिस आकाश आदिवासी की तलाश में रात-दिन एक किए थी। जब बालक का सुराग नहीं मिला तो एसएसपी ग्वालियर ने उसका सुराग लगाने वाले को दस हजार रुपए का इनाम देने की घोषणा की थी, लेकिन इसके बाद भी बालक का सुराग नहीं मिला तो पुलिस महानिरीक्षक अरविंद सक्सैना ने आकाश की बरामदगी का इनाम 10 से बढ़ाकर 30 हजार रुपए कर दिया था। एसएसपी धर्मवीर सिंह ने बताया कि बालक की बरामदगी के लिए पुलिस की विशेष टीम काम कर रही थी, जिसे महाराष्ट्र के नासिक में जाकर सफलता मिली। उन्होंने बताया कि बालक को सकुशल बरामद करके ग्वालियर लाया जा रहा है।

12 साल का बालक लापता

थाटीपुर इलाके से एक 12 साल का बालक लापता हो गया। वह घर से दूध लेने के लिए निकला था। परिजनों ने पहले तो अपने स्तर पर तलाश किया नहीं मिला तो थाने जाकर पुलिस को बताया। पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार एक महिला ने थाने आकर बताया कि वह बुधवार शाम को 7 बजे अपने 12 वर्षीय बेटे के साथ आदर्श नगर स्थित हनुमान जी मंदिर में भंडारा खाने गई थी। भंडारा खाने के बाद महिला ने अपने बेटे को 100 रुपए देकर दूध लाने भेज दिया। लेकिन काफी देर तक बालक घर नहीं लौटा। परिजनों को चिंता हुई तो आस-पास पूछताछ की, लेकिन बालक के बारे में कोई कुछ जानकारी नहीं मिली तो पुलिस को सूचना दी।

सफाई मित्रों एवं उनके परिजनों का स्वास्थ्य परीक्षण

ग्वालियर। नगर निगम के क्षेत्रीय कार्यालय 20 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 51 एवं 48 के सभी सफाई मित्रों का सिविल डिस्पेंसरी हेम सिंह की परेड में स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में दोनों वार्डों के एक सैकड़ा से अधिक सफाई मित्रों एवं उनके परिजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाएं वितरित की गई। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि गुरुवार को क्षेत्रीय कार्यालय 20 के वार्ड 51 एवं 48 के सफाई कर्मचारियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए डॉ हेमंत आर्य एवं डॉ विक्रम सिंह द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया।

गंदगी फैलाने वालों से वसूला जुर्माना

ग्वालियर। नगर निगम के स्वास्थ्य अमले द्वारा गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ निरंतर जुर्माने की कार्यवाही की जा रही है। स्वास्थ्य अधिकारी किशोर चौहान एवं सहायक स्वास्थ्य अधिकारी योगेंद्र यादव के निर्देशन में वार्ड 50 में दुकानदारों एवं ठेले वालों पर सिंगल यूज प्लास्टिक, गंदगी एवं रेड स्पॉट पर जुर्माने की कार्यवाही करते हुए 3750 रूपये का जुर्माना वसूला गया तथा 1 किलो अमानक पॉलीथिन जब्त की गई।

मदर अर्थ मिशन का शुभारंभ आज

ग्वालियर। पर्यावरण संरक्षण और प्लास्टिक मुक्त भारत के संकल्प के साथ मदर अर्थ मिशन का शुभारंभ 5 सितम्बर शुक्रवार को किया जाएगा। इस अवसर पर फ्लैग-ऑफ सेरेमनी का आयोजन फ्लैग प्वाइंट कटोरातल, थीम रोड पर हुआ। मदर अर्थ मिशन के संस्थापक प्रशांत पटेरिया ने बताया कि इस अभियान से देशभर में पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता की नई लहर पैदा होगी। उन्होंने कहा कि ग्वालियर से इस ऐतिहासिक पहल की शुरुआत होना गौरव की बात है। यह मिशन 60 दिवसीय, 25,000 किलोमीटर लंबी अखिल भारतीय जनजागरूकता यात्रा है। जिसका उद्देश्य समाज में स्वच्छता, वृक्षारोपण, जल संरक्षण और प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली के प्रति चेतना जगाना है। इस यात्रा में देश के सभी प्रमुख राज्यों और शहरों को शामिल किया गया है।

मामला नमकीन कारोबारी से लूट का : लुटेरों के रूट में उलझी पुलिस

ग्वालियर

बालाजी नमकीन के डीलर राममोहन गुप्ता से हुई पौने चार लाख रुपए की लूट की जांच में जुटी पुलिस टंकी तिराहे और शताब्दीपुरम पहाड़ी के बीच उलझ गई है, क्योंकि पुलिस लुटेरों के भागने और आने का रूट बना रही है, लेकिन उनकी जांच शताब्दीपुरम से लेकर टंकी तिराहे पर खत्म हो रही है। इसके आगे बदमाश कहां गए और कहां से आए इसका पता नहीं चला है।

उल्लेखनीय है कि दो दिन पहले महाराजपुरा थाना क्षेत्र में नमकीन डीलर राममोहन गुप्ता से बाइक सवार बदमाश नकदी भरा बैग लूट ले गए थे। बैग में 3 लाख 81 हजार रुपए थे। मामले की गंभीरता पर एसएसपी धर्मवीर सिंह ने पांच टीमें बनाई हैं, लेकिन अब यह टीमें उलझ गई हैं, क्योंकि जिस रास्ते बदमाश वारदात के बाद भागे उसकी पड़ताल की तो बदमाश का टंकी तिराहे के बाद किसी भी सीसीटीवी में कैद नहीं हुए है। इसके बाद पुलिस ने जब बदमाशों के आने का रूट बनाया तो शताब्दीपुरम पहाड़ी के बाद उनके फुटेज नहीं मिले है, जिससे पता नहीं चल रहा है कि बदमाश किधर से आए और किधर गए है। पुलिस का मानना है कि बदमाशों ने रैकी के बाद वारदात को अंजाम दिया है और पहले से ही तैयारी की होगी कि किन रास्तों से उन्हें आना है और किन रास्तों से भागना है, जिसके चलते वह सीसीटीवी में कैद नहीं हों। अब पुलिस डीलर के आने जाने के रास्ते के पुराने फुटेज खंगाल रही है।

चेम्बर और कैट ने प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया

ग्वालियर, । भारत सरकार द्वारा जीएसटी के 02 स्लेब तथा दरें कम किए जाने पर मप्र चेम्बर ऑफ कॉमर्स ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त किया। चेम्बर पदाधिकारियों ने कहा कि इससे देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा और उद्योग व व्यापार फलेंगे और फूलेंगे। आभार व्यक्त करने वालो में चेम्बर अध्यक्ष डॉ. प्रवीण अग्रवाल, संयुक्त अध्यक्ष हेमन्त गुप्ता, उपाध्यक्ष डॉ. राकेश अग्रवाल, मानसेवी सचिव दीपक अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव पवन कुमार अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष संदीप नारायण अग्रवाल शामिल हैं। वहीं कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय संगठन मंत्री भूपेन्द्र जैन भी आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी स्लैब कम होने से व्यापारियों, उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा।

रात बाबा आज थाने आनो है, भजन संध्या का आयोजन

ग्वालियर

खाटू श्याम मंदिर राधा की हवेली का 14वा वार्षिक महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को खाटू श्याम बाबा का जन्मदिन श्याम प्रेमियों ने केक काटकर एवं भजन सुनाकर मनाया। बाबा का श्रृंगार दिल्ली से आए कलाकारों ने किया। इस मौके पर इत्र वर्षा कर 56 भोग लगाया गया। भजनों की श्रृंखला में शिरीष गुप्ता ने गणेश वंदना प्रस्तुत की उसके बाद रात बाबा आज थाने आनो है भजन प्रस्तुत किया। इसके बाद वृंदावन से आई खुशबू राधा ने भजन गाया हाथों में प्रसाद है बाबा श्याम तुम्हारा, मुंबई से आई अधिष्ठा अनुष्का ने साथ ही हमारा कौन बनेगा भजन सुनाए। जयपुर से आए आयुष सोमानी ने सांसों का बनाकर हार एवं भटके क्यों दरबदर भजन सुनाकर सभी श्याम प्रेमियों का दिल जीत लिया। इस मौके पर गोपाल अग्रवाल, अभिमन्यु चौहान, तरुण बंसल, राकेश बंसल, मनोज भार्गव, उदय अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

सांसद के जन्मदिन पर हुए सुंदरकाण्ड और पौधरोपण

ग्वालियर। सांसद भारत सिंह ने अपने जन्मदिन के अवसर पर मां कमाख्यादेवी के दरबार में जाकर मत्था टेका। वहीं उनके समर्थकों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने शहरभर में सेवाकार्य, पौधरोपण एवं सुंदरकांड का पाठ कर भगवान से उनकी लंबी आयु की प्रार्थना कर उनका जन्मदिन मनाया। इस मौके पर गुप्तेश्वर महादेव मंदिर पर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक एवं पौधरोपण हुआ। एक हजार बिस्तर के अस्पताल में मरीजों को फल एवं भोजन वितरण किया गया, वहीं लाल टिपारा गौशाला में गायों को हरा चारा खिलाया गया। कैंट मंडल के कार्यकर्ताओं ने सिविल अस्पताल मुरार में फल बांटे। कृष्णा बिहार, जलालपुर सिद्धबाबा, धनेली पहाड़िया एवं डबरा स्वयंवर लॉज पर सुंदरकांड किया गया। उटीला में सुंदरकांड के साथ पौधारोपण हुआ। इसके अलावा भी शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र में अनेक स्थानों पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इलेक्ट्रिक व्हीकल वाहन रैली 9 को

ग्वालियर, । शहर में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए आमजन को वायु सुधार को दृष्टिगत रखते हुए 9 सितम्बर को दोपहर 12 बजे बैजाताल से इलेक्ट्रिक व्हीकल-स्वच्छ वायु दिवस पर वाहन रैली निकाली जाएगी। निगमायुक्त संघ प्रिय ने बताया कि दोपहर 12 बजे जिला प्रशासन, नगर निगम, शैक्षणिक, पुलिस, परिवहन, वन व अन्य शासकीय, अर्ध शासकीय विभागों के सहयोग इलेक्ट्रिक व्हीकल-स्वच्छ वायु दिवस पर वाहन रैली का आयोजन किया जा रहा है। यह वाहन रैली बैजाताल से प्रारंभ होकर, नदी गेट, ज्येन्द्रगंज, पाटनकर बाजार, दौलतगंज, महाराज बाड़ा, सराफा बाजार, डीडवाना ओली, राम मंदिर, छप्पर वाला पुल, शिंदे की छावनी, फूलबाग चैराहा, लक्ष्मीबाई समाधि स्थल, पड़ाव न्यू ब्रिज, मोटल तानसेन, निगम मुख्यालय सिटी सेंटर होते हुए समापन स्थल बाल भवन रहेगा।

शिक्षक सम्मान समारोह में शामिल होंगे पूर्व गृहमंत्री

ग्वालियर

शिक्षक दिवस पर मध्य प्रदेश शिक्षक संघ द्वारा नगर में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। 05 सितंबर को होने जा रहे उक्त कार्यक्रम को लेकर आयोजक और भाजपाई काफी उत्साहित हैं। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के पदाधिकारी प्रशांत पाठक ने बताया कि शुक्रवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर नगर के सरस्वती गार्डन में सुबह 10:30 बजे यह सम्मान समारोह आयोजित होगा। समारोह में डॉ. नरोत्तम मिश्रा मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में हॉकी संघ के उपाध्यक्ष देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष कौशल शर्मा एवं नगर परिषद अध्यक्ष बलदेव अग्रवाल मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष वेदपाल सिंह परमार करेंगे।

8 वर्ष की बच्ची से बलात्कार करने वाले को 20 वर्ष का कारावास

ग्वालियर

विशेष न्यायाधीश श्रीमती वंदना राज पांडे ने नाबालिग बच्ची (उम्र 8 वर्ष) के साथ बलात्कार करने वाले आरोपी नीरज प्रजापति पुत्र रामचरन प्रजापति उम्र 19 वर्ष निवासी जिला महोबा को 20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही पीड़िता को दो लाख रुपए सहायता राशि प्रदान करने हेतु आदेशित किया है। अभियोजन की ओर से पैरवी करने वाले विशेष लोक अभियोजक अनिल कुमार मिश्रा ने बताया कि पीडिता की माता ने 24 अक्टूबर 2024 को थाना झांसी रोड़ में लिखित आवेदन दिया कि दोपहर लगभग 02:15 बजे घर पर खाना बना रही थी और उसकी बच्ची उम्र 8 वर्ष घर के आंगन में खेल रही थी। फिर थोड़ी देर बाद वह आई तो उसने बच्ची से कहा कि तुम खाना खा लो, लेकिन उसने मना कर दिया और बोली कि मेरे पेट में दर्द हो रहा है। फिर उसको दवा दी तो बच्ची दवा खाने के बाद रोने लगी जब उससे पूछा कि क्या हुआ है तो उसने बताया कि नीरज भैया ने उसके साथ गलत काम किया है। इसके बाद बच्ची की माता ने थाने में लिखित आवेदन दिया। घटनास्थल का मौका मुआयना कर साक्षीगण के कथन लेखबद्ध किए गए। इसके बाद अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां न्यायालय ने अभियोजन के तर्कों से सहमत होकर आरोपी को दोषसिद्ध कर 20 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई।

सम्पादकीय

राहतकारी जीएसटी

जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक के बाद घोषित जीएसटी की नई दरें 22 सितंबर से लागू करने करने की घोषणा की गई है। जिसमें अब 12 व 28 फीसदी के दो स्लैब को खत्म करके सिर्फ 5 व 18 फीसदी कर दिया गया है। कहा जा रहा है कि यह सरकार की ओर से आर्थिक सुधारों की कड़ी में एक नई पहल है, जिससे जीएसटी को तार्किक बनाने व आम जनता को महंगाई से राहत देने का प्रयास है। वहीं दूसरी ओर विलासिता आदि वस्तुओं के लिये चालीस फीसदी का एक नया स्लैब जोड़ा गया है। विपक्ष इसे देर से उठाया गया कदम बता रहा है, तो सरकार आर्थिक सुधार की दिशा में बड़ा कदम। वहीं कुछ अर्थशास्त्री इस कदम को ट्रंप के टैरिफ वॉर के परिप्रेक्ष्य में उठाया गया सुरक्षात्मक कदम मानते हैं। जिससे घरेलू खपत को बढ़ाकर निर्यात घाटे को कम किया जा सके। वहीं कुछ लोग इसे नवरात्र में दिवाली से पहले सरकार का तोहफा बता रहे हैं। माना जा रहा है कि सरकार की सोच है कि आर्थिक सुधारों के जरिये घरेलू उपभोग व निवेश को बढ़ाया जाए। निस्संदेह, इससे भारतीय अर्थव्यवस्था का विस्तार होगा। यही वजह है कि कुछ अर्थशास्त्री जीएसटी दरों को घटाने को साहसी व दूरदर्शी कदम बताते हैं, जो उपभोक्ता के उपभोग को बढ़ाएगा। उल्लेखनीय है कि सरकार ने एक जुलाई 2017 को पूरे देश में जीएसटी लागू किया था। उसके बाद समय-समय पर विभिन्न उत्पादों की दरों में परिवर्तन किए जाते रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद विपक्षी दलों द्वारा शासित सरकारें कई उत्पादों पर जीएसटी दरें तार्किक बनाने की मांग करती रही हैं। जिसमें पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी दर घटाने की मांग की थी। इतना ही नहीं, कुछ उद्योगों, विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों व जन-स्वास्थ्य से जुड़ी वस्तुओं के उत्पादकों द्वारा जीएसटी कम करने की मांग की जाती रही है। इसी तरह किसान संगठन भी कृषि उत्पादों पर कर कम करने की मांग करते रहे हैं। वहीं दूसरी ओर जीएसटी दरों में बदलाव की टाइमिंग को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। उनका मानना है कि इसकी पृष्ठभूमि में ट्रंप के टैरिफों को कम करने की कवायद भी है ताकि घरेलू उपभोग बढ़ाया जा सके और सस्ते निर्यात को बढ़ावा मिल सके। कालांतर इससे देश की अर्थव्यवस्था को गति मिल सकेगी। इसका संकेत प्रधानमंत्री ने पंद्रह अगस्त को लाल किले से संबोधन में भी दिया था। वहीं आगामी वर्ष मार्च में राज्यों को राहत देने वाले कम्पंसेशन सेस की समाप्ति से पहले राज्यों को राहत देने के लिये भी यह कदम उठाया गया हो सकता है। निस्संदेह, इस कदम से सरकारी खजाने में जीएसटी कम आएगा, लेकिन आर्थिक विशेषज्ञ मानते हैं कि विलासिता की वस्तुओं पर चालीस फीसदी का जीएसटी सरकार के घाटे की पूर्ति में किसी हद तक मदद करेगा। फिर भी कहा जा रहा है कि सरकार को अड़तालीस हजार करोड़ का नुकसान हो सकता है, लेकिन चीजें सस्ती होने पर उपभोग वृद्धि से सरकार को राहत मिल सकती है। वहीं कहा जा रहा है कि असंगठित क्षेत्र को जीएसटी कटौती दर का लाभ नहीं मिलेगा। अर्थशास्त्री लंबे समय से मांग करते रहे हैं कि देश में सबसे ज्यादा रोजगार देने वाले असंगठित क्षेत्र को आर्थिक सुधारों का लाभ दिया जाना चाहिए। बहरहाल, इतना तय है कि जीएसटी दरों में कमी से उपभोक्ता मांग में वृद्धि होगी तो अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। आम आदमी कम पैसे में ज्यादा सामान खरीद पाएगा। वैसे यहां यह बात महत्वपूर्ण है कि इस बदलाव से वास्तव में आम उपभोक्ता को कितना फायदा होता है। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि उद्योग कर कटौती का लाभ उपभोक्ता तक कैसे पहुंचाते हैं। साथ ही नियामक कितनी सतर्कता से अनुपालन सुनिश्चित करते हैं। निस्संदेह यह सही दिशा में उठाया गया एक कदम है। लेकिन यह कितना लाभ आम आदमी को पहुंचाएगा, इस बात पर निर्भर करेगा कि सुधार को कितनी निरंतरता और पारदर्शिता के साथ लागू किया जाता है।

एससीओ 2025 और भारत की तीन-स्तंभ रणनीति, सुरक्षा, संपर्क और अवसर

डॉ. प्रियंका सौरभ

शंघाई सहयोग संगठन, जिसकी स्थापना वर्ष 2001 में हुई थी, मूल रूप से सुरक्षा केंद्रित मंच के रूप में अस्तित्व में आया। चीन, रूस और मध्य एशियाई देशों के लिए यह संगठन आतंकवाद और सीमाई स्थिरता का साझा मंच था। किंतु दो दशकों में यह संगठन धीरे-धीरे बहुआयामी स्वरूप ग्रहण कर चुका है, जिसमें सुरक्षा के साथ-साथ आर्थिक सहयोग, संपर्क, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की स्थापना जैसे मुद्दे प्रमुख हो गए हैं। भारत, जिसने 2005 में प्रेक्षक के रूप में इसमें प्रवेश किया और 2017 में पूर्ण सदस्यता प्राप्त की, इस संगठन में एक ओर अवसर देखता है तो दूसरी ओर चुनौतियों का सामना भी करता है। वर्ष 2025 का तियानजिन शिखर सम्मेलन, जो संगठन की 25वीं वर्षगांठ भी था, इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर भारत की भागीदारी की रूपरेखा तीन स्तंभोंकृसुरक्षा, संपर्क और अवसरकृके रूप में प्रस्तुत की। यह केवल भाषणबाजी नहीं थी, बल्कि एक स्पष्ट और संतुलित रणनीति थी, जिसके द्वारा भारत ने अपनी सुरक्षा चिंताओं को रेखांकित किया, संगठन में असंतुलनों को संतुलित करने का प्रयास किया और स्वयं को भविष्य-निमार्ता शक्ति के रूप में स्थापित करने की कोशिश की। इन तीन स्तंभों की गूंज तियानजिन घोषणा में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई, जहाँ पहली बार ह्लएक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्यह्व का भारत-प्रस्तावित दृष्टिकोण औपचारिक रूप से शामिल किया गया। पहला स्तंभ, सुरक्षा, भारत की प्राथमिक चिंता है। मोदी ने आतंकवाद के प्रति ह्लशून्य सहनशीलताह्व का सिद्धांत दोहराते हुए दोहरे मानदंडों को अस्वीकार किया। यह स्पष्ट संदेश पाकिस्तान की ओर निर्देशित था, जो आतंकवादी संगठनों को शरण और समर्थन देने के बावजूद स्वयं को आतंकवाद-रोधी शक्ति के रूप में प्रस्तुत करता है। भारत ने सुनिश्चित किया कि तियानजिन घोषणा में कश्मीर के पुलवामा-पहलगाम हमले सहित पाकिस्तान और अफगानिस्तान में हाल के बड़े आतंकवादी हमलों का स्पष्ट उल्लेख हो। यह भारत की कूटनीतिक जीत थी, क्योंकि पहले की घोषणाएँ अक्सर सामान्य शब्दों में ही सीमित रहती थीं। भारत ने क्षेत्रीय आतंकवाद-रोधी संरचना (ताजे) को सशक्त बनाने, खुफिया साझाकरण बढ़ाने, आतंक वित्तपोषण पर रोक और डिजिटल कट्टरपंथ पर नियंत्रण के उपायों की आवश्यकता पर जोर दिया। अफगानिस्तान की अस्थिरता को लेकर भी भारत ने चेतावनी दी कि यदि इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो पूरा क्षेत्र असुरक्षा की चपेट में आ जाएगा। दूसरा स्तंभ, संपर्क, भारत के लिए रणनीतिक और आर्थिक दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। मध्य एशिया ऊर्जा-संपन्न और रणनीतिक रूप से अहम क्षेत्र है, किंतु भारत का सीधा भौगोलिक संपर्क सीमित है। मोदी ने चाबहार बंदरगाह और अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे जैसे परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने वाले संपर्क ढांचे का समर्थन करता है। यह चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव की अप्रत्यक्ष आलोचना थी, विशेषकर चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा, जो भारतीय क्षेत्र गिलगित-बाल्टिस्तान से होकर गुजरता है। भारत ने यह स्पष्ट किया कि विकास का मार्ग किसी देश की संप्रभुता से समझौता करके नहीं बनाया जा सकता। तियानजिन शिखर सम्मेलन में भारत-चीन संबंधों में आंशिक संवाद भी देखने को मिला। मोदी और शी जिनपिंग की संक्षिप्त मुलाकात में सीमा स्थिरता, वीजा बहाली और कैलाश-मानसरोवर जैसी तीर्थयात्राओं के पुनः प्रारंभ की संभावनाओं पर चर्चा हुई। यह इंगित करता है कि भारत के लिए संपर्क केवल भौतिक अवसंरचना तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों के बीच संबंध, व्यापार सामान्यीकरण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान भी उतना ही महत्वपूर्ण है। तीसरा स्तंभ, अवसर, भारत की दूरदर्शिता और रचनात्मक दृष्टिकोण को दशार्ता है। मोदी ने कहा कि एससीओ केवल सुरक्षा और भू-राजनीति तक सीमित न रहकर नवाचार, युवाओं के सशक्तिकरण और सतत विकास का मंच बने। भारत ने एससीओ स्टार्टअप फोरम को सशक्त बनाने, समावेशी डिजिटल शासन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार उपयोग पर सहयोग का प्रस्ताव रखा। पर्यावरणीय स्थिरता, हरित ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ संयुक्त प्रयासों की भी वकालत की। साथ ही, भारत ने एससीओ में ह्लसभ्यतागत संवाद मंचह्व स्थापित करने का सुझाव दिया ताकि एशियाई देशों की साझा सांस्कृतिक धरोहर को उजागर किया जा सके। यह स्तंभ भारत को मात्र सुरक्षा केंद्रित राष्ट्र से आगे बढ़ाकर सांस्कृतिक और नैतिक नेतृत्वकर्ता की भूमिका प्रदान करता है। तियानजिन घोषणा में भारत की इन पहलों की गूंज साफ दिखाई दी। पहली बार घोषणा में ह्लएक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्यह्व जैसे भारतीय दृष्टिकोण को अपनाया गया। यह वही विचार है जिसे भारत ने अपने जी20 अध्यक्षता काल में भी प्रस्तुत किया था। घोषणा में आतंकवादी घटनाओं की स्पष्ट निंदा की गई और एससीओ विकास बैंक की स्थापना पर सहमति बनी, जिसमें चीन ने 1.4 अरब डॉलर की प्रारंभिक पूंजी देने का वादा किया। यद्यपि इससे चीन की आर्थिक प्रभुत्व की आशंका बनी रहती है, किंतु यह एससीओ को एक ठोस आर्थिक मंच बनाने की दिशा में कदम है। घोषणा में बहुध्रुवीयता, संयुक्त राष्ट्र सुधार और विकासशील देशों की अधिक भागीदारी का समर्थन किया गया। शिक्षा, संस्कृति और सभ्यतागत संवाद को बढ़ावा देने का संकल्प भी इसमें शामिल था, जो भारत की पहल से मेल खाता है। भारत की इन उपलब्धियों के बावजूद चुनौतियाँ बनी हुई हैं। पाकिस्तान लगातार कश्मीर मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाने की कोशिश करता है, हालांकि उसे अपेक्षित सफलता नहीं मिलती। चीन की बेल्ट एंड रोड परियोजना अब भी कई देशों को आकर्षित करती है, जिससे भारत का असहमति का रुख संगठन में अंतर्विरोध पैदा करता है। अफगानिस्तान की स्थिति को लेकर कोई ठोस सामूहिक रणनीति अब भी नहीं बन पाई है। साथ ही, भारत को अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए पश्चिमी मंचों जैसे क्वाड और हिंद-प्रशांत पहलों के साथ संतुलन साधना पड़ता है। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में, एससीओ की प्रासंगिकता तेजी से बढ़ रही है। यह संगठन विश्व की लगभग आधी आबादी और पाँचवें हिस्से की अर्थव्यवस्था का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे समय में जब रूस-यूक्रेन युद्ध, अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा और पश्चिम एशिया की अस्थिरता अंतरराष्ट्रीय राजनीति पर छाई हुई है, एससीओ बहुध्रुवीयता का प्रतीक बनकर उभरा है। भारत की सक्रिय भूमिका इस संगठन को लोकतांत्रिक और विकासोन्मुखी आयाम प्रदान करती है। भविष्य की राह में भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि आतंकवाद-रोधी सहयोग केवल कागजी न रहे, बल्कि खुफिया साझा करने और वित्तीय निगरानी जैसी ठोस व्यवस्थाओं में परिणत हो। चाबहार और उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे जैसे वैकल्पिक संपर्क ढाँचों को शीघ्र लागू करना होगा। आईटी और स्टार्टअप क्षेत्र में भारत की ताकत एससीओ को वैश्विक मंच पर प्रासंगिक बना सकती है। योग, आयुर्वेद, शिक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से भारत अपनी सॉफ्ट पावर और मजबूत कर सकता है। सबसे अहम चुनौती चीन और रूस के साथ संतुलित संबंध बनाए रखने की होगी, ताकि भारत अपनी संप्रभुता सुरक्षित रखते हुए स्वतंत्र भूमिका निभा सके। अंततः, तियानजिन शिखर सम्मेलन केवल एससीओ की वर्षगांठ भर नहीं था, बल्कि भारत की कूटनीति की परिपक्वता का प्रतीक भी था। सुरक्षा, संपर्क और अवसरकृये तीन स्तंभ मिलकर भारत की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और क्षेत्रीय अपेक्षाओं को जोड़ते हैं। तियानजिन घोषणा में भारत की दृष्टि का शामिल होना इसका प्रमाण है।

उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम-समाधान कम समस्या ज्यादा

दिनकर कपूर

विगत 2 सिंतबर 2025 को उत्तर प्रदेश सरकार की कैबिनेट द्वारा उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम लिमिटेड का गठन करने का फैसला लिया गया है। सरकार का यह कहना है कि इस निगम के बनने के बाद प्रदेश में सरकारी विभागों के कार्यों में चल रही आउटसोर्सिंग अधिक पारदर्शी होगी। कर्मचारियों को पूरा मानदेय मिलेगा और मासिक वेतन के साथ ही उनके ईपीएफ और ईएसआई खातों में सीधे पैसा जायेगा। आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के लिए 16 से 20 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय निर्धारित किया गया है और यह प्रावधान किया गया है कि 3 साल तक विभाग में आउटसोर्स कर्मचारी अपनी सेवा प्रदान कर सकेंगे। कहा जा रहा है कि आउटसोर्सिंग एजेंसियों का चयन विभाग की बजाए अब निगम जेम पोर्टल के माध्यम से निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया से करेगा। कम्पनीज एक्ट-2013 के सेक्शन-8 के अंतर्गत इस निगम लिमिटेड का गठन किया गया है जो नान प्रॉफिटेबल कम्पनी है। प्रावधान किया गया है कि आउटसोर्सिंग कंपनी के माध्यम से कर्मचारी उपलब्ध कराने के एवज में निगम विभाग से प्रत्येक कर्मचारी से एक प्रतिशत सेस की वसूली करेगा जिसे निगम कार्यों पर खर्च किया जाएगा और शेष धनराशि आउटसोर्स मजदूरों के वेलफेयर के लिए खर्च की जाएगी। यह भी निगम के गठन के दस्तावेज में रखा गया है कि सृजित पदों पर आउटसोर्सिंग की भर्ती नहीं की जाएगी। आउटसोर्सिंग में एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, महिलाओं, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों और भूतपूर्व सैनिकों को आरक्षण देना सुनिश्चित किया जाएगा। इस आयोग के गठन के बाद समाज में मिश्रित प्रतिक्रियाएं हैं। कुछ लोग इसे सरकार का ऐतिहासिक कदम मान रहे हैं तो वहीं कुछ लोग इसे स्थाई भर्ती की जगह आउटसोर्सिंग से काम कराने की कार्रवाई के रूप में देख रहे हैं। यदि इसके दस्तावेजों को गौर से देखा जाए तो कहा गया है कि उत्तर प्रदेश सरकार के कार्मिक विभाग के शासनादेश दिनांक 6 जनवरी 2020 में स्पष्ट प्रावधानों के अनुसार सृजित पदों के विरुद्ध आउटसोर्सिंग के आधार पर सेवाएं लेना पूर्णतया प्रतिबंधित है और आउटसोर्सिंग पद का सृजन भी पूर्णतया वर्जित है। इसके बावजूद इस निगम द्वारा चार श्रेणियां में पदों का विभाजन किया गया है। श्रेणी एक में चिकित्सीय, इंजीनियरिंग, व्याख्यान, परियोजना प्रबंधन, लेखा, वास्तुविद, अनुसंधान सेवाएं शामिल हैं। श्रेणी 2 में कार्यालय सेवाएं, आशुलिपिकीय, लेखा, डाटा प्रोसेसिंग, अनुवाद, कल्याण, कला शिक्षण, शारीरिक प्रशिक्षण, शिक्षण, ड्राफ्टिंग, एक्सरे, नर्सिंग, फामेर्सी, इंजीनियरिंग, कानूनी परामर्शदाता, सांख्यिकी सेवाएं आयेंगी। श्रेणी 3 में कार्यालय, आशुलिपिकीय स्तर 3, टंकण, दूरसंचार, भंडारण, फोटोग्राफी, डाटा प्रोसेसिंग, पुस्तकालय, इलेक्ट्रीशियन, यांत्रिक, फिटर, प्रयोगशाला परिचालन, पैरामेडिकल, पर्यवेक्षणीय, प्रबंधकीय सेवाएं, वाहन चालन सेवाएं आयेंगी। श्रेणी 4 में कार्यालय सेवाएं, लिफ्ट ऑपरेटर, प्रयोगशाला, अभिलेख, कार्यालय अधीनस्थ, भंडारण, डाक, रंग रोगन, खानपान, बागवान, श्रम सेवाएं जैसी 43 विशिष्ट सेवाएं और यांत्रिक, विद्युत, सैनिटेशन, पंपिंग, फायर सुरक्षा सेवाएं इत्यादि जैसी अति विशिष्ट 47 सेवाएं शामिल की गई हैं। इस सूची में प्रदेश में मौजूदा समय में आपको सरकारी विभागों में ज्यादातर जारी काम देखने को मिलेंगे। यहीं कारण है कि इस निगम के गठन के पूर्व प्रदेश के लगभग जितने भी विभाग हैं सभी विभागों से अनापत्ति हासिल की गई है। स्पष्ट है कि यह सारी सेवाएं जो अभी स्थाई कामों और सृजित पदों में हो रही हैं आने वाले समय में उन सबके आउटसोर्सिंग यानी संविदा प्रथा में जाने की तैयारी इस निगम के गठन के साथ की गई है। सब लोग अवगत हैं कि ठेका मजदूर कानून 1970 की धारा 10 स्पष्ट रूप से कहती है कि परमानेंट नेचर के काम में संविदा ठेका प्रथा लागू नहीं की जाएगी। इसके बावजूद राष्ट्रपति भवन से लेकर हर विभाग में धीरे-धीरे संविदा प्रथा चालू कर दी गई है, जिसके जरिए स्थाई कामों और सृजित पदों के सापेक्ष बेहद कम मानदेय या पारिश्रमिक पर काम कराकर मजदूरों और कर्मचारियों की श्रम शक्ति की बड़े पैमाने पर लूट की जा रही है। एक ही उदाहरण से आप इस निगम के द्वारा किए जा रहे न्यूनतम पारिश्रमिक भुगतान के दावे के बारे में समझ सकते हैं। चिकित्सीय सेवाओं के लिए एमबीबीएस डॉक्टर का न्यूनतम पारिश्रमिक निगम की तरफ से 40000 रूपए प्रतिमाह तय किया गया है। चिकित्सा विभाग के अधिकारियों से बात करने पर बताया गया कि इस समय संविदा पर जो एमबीबीएस डॉक्टर सरकारी अस्पतालों में नियुक्त किये जा रहे हैं उन्हें 1 लाख रूपए मानदेय दिया जा रहा है। जो डॉक्टर ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन जैसी विभिन्न योजनाओं के तहत नियोजित हो रहे हैं वह भी 60-70 हजार रूपए पा रहे हैं। यदि सृजित पद के सापेक्ष सरकारी भर्ती से कोई डॉक्टर आता है तो उसकी प्रारंभिक तनख्वाह करीब 87000 बनती है। ऐसे में लोग समझ सकते हैं कि इससे कितनी बड़ी लूट का भविष्य में रास्ता खोला जा रहा है ।हालत तो यह है कि इस निगम का ही पूरा स्टाफ आउटसोर्सिंग कर्मचारियों से नियुक्त होगा। बोर्ड में कार्यरत महानिदेशक और कार्यकारी निदेशक व वित्त नियंत्रक के अलावा सारे पद जनरल मैनेजर, मैनेजर, महानिदेशक का व्यक्तिगत सहायक, कंपनी सचिव, सीनियर अकाउंटेंट, डाटा एंट्री ऑपरेटर, कार्यालय अधीनस्थ कर्मी, चौकीदार, स्वीपर सफाई कर्मी सब आउटसोर्स से ही नियुक्त किए जाएंगे।

पीएम की चीन व जापान यात्रा के वैश्विक प्रभाव क्या पड़ेंगे?

अमेरिका से गहराते आर्थिक व नीतिगत तनाव के बीच भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया चीन-जापान यात्रा के अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मायने बेहद अहम हैं और प्रतिरक्षा रणनीतियों व विकास के लिहाज से भारत के प्रति इसके दुनियावी असर भी बेहद महत्वपूर्ण और कारगर साबित होंगे। ऐसा इसलिए कि पीएम मोदी की इस यात्रा के माध्यम से जहां चीन से द्विपक्षीय सम्बन्धों में गर्माहट आई है, वहीं जापान से पहले से चले आ रहे मधुर सम्बन्धों को और अधिक मजबूती मिली है और कारोबारी विकास का मार्ग प्रशस्त होने के आसार बढ़े हैं। पीएम की इस यात्रा से साफ पता चलता है कि दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने को आतुर भारत अब अपनी रणनीतिक स्वायत्तता के हिसाब से अमेरिका और चीन के साथ गिव एंड टेक के रिश्ते रखते हुए रूस के साथ अपने भरोसेमंद रिश्तों को और प्रगाढ़ बनाना चाहता है। वहीं, अमेरिकी, चीनी और पाकिस्तान परस्त अरब देशों की भावी चुनौतियों का मजबूती पूर्वक सामना करने के लिए दूसरी पंक्ति के देशों, यथा- जापान, इजरायल, फ्रांस, जर्मनी, इंग्लैंड, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, सऊदी अरब, ईरान आदि के साथ मजबूत रणनीतिक सम्बन्ध विकसित करना चाहता है। वहीं, द्विपक्षीय व्यापार हेतु फ्री ट्रेड अग्रीमेंट करने की रणनीति पर भी भारत अमल कर रहा है। इस नजरिए से पीएम मोदी की जापान यात्रा भी बहुत फायदेमंद रही है। वहीं, चीन के तियानजिन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से पीएम मोदी की मुलाकात बेहद सकारात्मक बताई गई है। यहीं पर आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में शिरकत करने पहुंचे रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ मोदी ने जो गर्मजोशी दिखाई, वह शेष दुनिया के लिए एक व्यापक संकेत है। इसके अलावा, मोदी, पुतिन और जिनपिंग की त्रिपक्षीय मुलाकात के हास्य हाव-भाव वाले फोटो ने पश्चिमी दुनिया के नेताओं की नींद उड़ा डाली है। दरअसल, वैश्विक दुनियादारी में हर वक्त खरे उतरे भारत-रूस सम्बन्धों में दरार डालने की जो अमेरिकी चाल चली गई, उसके साइड इफेक्ट्स स्वरूप भारत-चीन ने जो सूझबूझ प्रदर्शित किया है, उससे अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिज्ञों की बोलती बंद हो चुकी है। देखा जाए तो प्रधानमंत्री मोदी की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ जो द्विपक्षीय मुलाकात हुई, इससे दोनों के आपसी रिश्तों में जमी बर्फ कुछ पिघलती प्रतीत हुई है। यह भारत के लिए एक शुभ संकेत है। तभी तो पीएम मोदी के साथ बैठक में शी जिनपिंग ने दो टूक कहा है कि वैश्विक परिदृश्य बदल रहा है। इसलिए दोनों देशों का साथ आना लाजिमी है। इस हेतु जारी कोशिशों को बढ़ावा मिलना दोनों देशों के लिए हित बर्द्धक रहेगा। कहना न होगा कि चीन और भारत सिर्फ.प्राचीन सभ्यताएँ ही नहीं, बल्कि दुनिया के दो सबसे अधिक आबादी वाले देश हैं, जो ग्लोबल साउथ के प्रमुख स्तम्भ हैं। इसलिए दोनों देशों के लिए यह अहम है कि वो अच्छे संबंध रखने वाले दोस्त बने रहें और ऐसे साझेदार बनें जो एक-दूसरे की सफलता में योगदान करें। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ठीक ही कहा है कि दोनों देशों के बीच सहयोग से 2.8 अरब लोगों के हित जुड़े हुए हैं। भारत चीन के साथ अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। देखा जाए तो अमेरिका द्वारा भारत को घेरने के लिए जिस अब्राहम परिवार यानी ईसाई-यहूदी-मुस्लिम की एकता पर बल दिया जा रहा है, वह यदि सफल होता है तो चीन और दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों का साथ भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण और तलबगार हो जाएगा, क्योंकि यहां हिन्दू धर्म से निकले बौद्ध धर्म का प्रभाव ज्यादा है। यूँ तो मोदी-जिनपिंग की मुलाकात ऐसे समय पर हुई है, जब भारत 50 फीसदी अमेरिकी टैरिफ से उपजे आर्थिक दबाव का सामना कर रहा है, क्योंकि इस टैरिफ से भारत के निर्यात क्षेत्र पर अच्छा-खासा असर पड़ेगा। जबतक कि वैकल्पिक व्यवस्था नहीं हो जाए। इसलिए अब भारत और चीन भी आपसी सीमा विवादों के तल्खी भरे अतीत के उलट अपने संबंधों को एक नया स्वरूप देने पर लगातार जोर दे रहे हैं। जिसके लिए पिछले 6 माह से कवायद तेज है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि भारत और चीन दोनों देशों के बीच संबंध, मौजूदा वक़्त में दुनिया में हो रहे बदलावों पर निर्भर करते हैं और इन रिश्तों में मोदी की चीन यात्रा 'एक मोड़' है, क्योंकि भारत और चीन दुनिया की पाँच बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हैं। अभी तक चीन दूसरे और भारत चौथे पायदान पर खड़ा है। हालांकि भारत शीघ्र ही दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने को ततपर है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुसार, 5 ट्रिलियन डॉलर के शेयर बाजार के साथ भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की राह पर है।

जीएसटी सुधार या भूल सुधार

30 जून और 1 जुलाई 2017 की आधी रात को संसद भवन को बिजली की लड़ियों और फूलों से सजाया गया था। जगमगाती संसद में नरेन्द्र मोदी ने आर्थिक आजादी की घोषणा की और वो भी आधी रात को। मीडिया ने इसे हिंदुस्तान का ऐतिहासिक पल बताया था। मकसद साफ था कि नेहरूजी ने आधी रात को ही दुनिया के सामने देश की आजादी का ऐलान किया था, तो किसी भी तरह उनके समकक्ष आने के लिए नरेन्द्र मोदी ने संसद भवन का ही इस्तेमाल किया और वह भी आधी रात को। दरअसल 1 जुलाई 2017 से गुड्स एंड सर्विसेस टैक्स (जीएसटी) लागू हुई और इसमें वैट, सेवा टैक्स और एक्साइज ड्यूटी जैसे कई अप्रत्यक्ष टैक्स को एक साथ किया गया। लेकिन जिस तरह नोटबंदी की असफलता देश के सामने आने में देर नहीं हुई। वैसे ही जीएसटी की कमियां भी व्यापारियों को परेशान करने लगीं और आम आदमी के लिए भी कई तरह से यह व्यवस्था मारक साबित हुई। अब इस साल प्रधानमंत्री मोदी ने 15 अगस्त को लालकिले से जीएसटी में महत्वपूर्ण बदलाव के वादे किए थे। उनके हिसाब से यह जनता के लिए दीवाली का तोहफा होगा। लेकिन शायद बिहार चुनाव के कारण दीवाली से पहले ही जीएसटी में दरों में बदलाव किया गया है, जो इसी महीने 22 सितंबर से लागू हो जाएगा। जीएसटी परिषद ने 3 सितंबर को इसकी मंजूरी दे दी है। अब 12फीसदी और 28 फीसदी की कर स्लैब को खत्म कर दिया गया है। केवल दो स्लैब 5 फीसदी और 18 फीसदी रहेंगे साथ ही सिगरेट, शराब, निजी नौका, हेलीकॉप्टर जैसे खास सामानों पर 40फीसदी की विशेष कर दर लागू की जाएगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का कहना है कि ये सुधार आम आदमी को ध्यान में रखकर किए गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने भी कहा, यह सुधार आम आदमी, किसानों, मध्यम वर्ग, और एमएसएमई के लिए लाभकारी होंगे। मीडिया एक बार फिर चरणवंदन में लग चुका है। इसे मोदी का मास्टरस्ट्रोक जैसे शीर्षकों से पेश किया जा रहा है, जबकि असल में यह कांग्रेस की सलाह पर अमल है और अपनी गलती का सुधार है। 2017 से आम आदमी को रोजमर्रा की जरूरतों से लेकर जीवनरक्षक दवाओं तक सब पर जीएसटी का भार सहना पड़ता था। अब सरकार इसे आम आदमी के लिए राहत बता रही है। राहुल गांधी 2017 से लेकर अब तक कई बार यह मांग कर चुके थे कि गरीबों, मध्यम वर्ग और एमएसएमई आदि को ध्यान में रखकर कर की दरें लागू हों, लेकिन उनकी बात को नहीं सुना गया। दरअसल जीएसटी के कारण खाद, किताब, ट्रैक्टर, दवाई, पढ़ाई दूध-दही, आटा-अनाज, यहां तक कि बच्चों की पेन्सिल-किताबें, ऑक्सीजन, इंश्योरेंस और अस्पताल के खर्च जैसी रोजमर्रा की चीजें भी महंगी हो गई थीं। देश के इतिहास में पहली बार किसानों पर टैक्स लगा, सरकार ने कृषि क्षेत्र की कम से कम 36 वस्तुओं पर जीएसटी थोपा था। अब राहत देकर इसे जनता के लिए एक बड़े तोहफे के तौर पर पेश किया जा रहा है। नए जीएसटी स्लैब के बाद अब कैंसर की जीवन रक्षक दवाओं पर अब शून्य दर से कर लगेगा। दूध, पनीर, स्नैक्स और ब्रेड सहित आम उपभोग की 175 वस्तुएं सस्ती हो जाएंगी। पनीर, छेना और पराठे सहित सभी प्रकार की भारतीय रोटियों पर कर 5 प्रतिशत से घटकर शून्य हो जाएगा। बालों का तेल, साबुन, शैंपू, टूथब्रश, रसोई के सामान अब 5 प्रतिशत कर के दायरे में आएंगे। 33 जीवन रक्षक दवाइयां 12 प्रतिशत से शून्य कर के दायरे में आ जाएंगी। मानव निर्मित रेशे पर कर 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत और मानव निर्मित धागे पर कर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है। व्यक्तिगत स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर अब कोई जीएसटी नहीं लगेगा फिलहाल बीमा प्रीमियम पर 18 फीसदी जीएसटी वसूला जाता है। हालांकि अभी यह तय नहीं है कि बीमा कंपनियों से आप उपभोक्ता को कितनी राहत मिलेगी, क्योंकि अपने नुकसान की भरपाई भी आखिर में कंपनियां ग्राहकों से ही वसूलेंगी। यही बात बाकी उत्पादों पर भी लागू होती है। एक बार कोई सामान महंगा बिकने लगे तो शायद ही कभी दाम कम होते हैं। इसलिए दीवाली से पहले जिन लोगों को यह लग रहा है कि सरकार से उनको वाकई तोहफा मिल गया तो वे अपनी खुशियां थाम कर रखें। नई दरें लागू होने के बाद देखें कि सामान सस्ता होता है या किसी और तरीके से कीमत बढ़ाई जाती है। वैसे भी इस सरकार का ट्रैक रिकार्ड उद्योगपतियों के साथ खड़े होने का है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बताया है कि कुल जीएसटी का दो-तिहाई यानी 64फीसदी हिस्सा गरीबों और मध्यम वर्ग की जेब से आता है, और अरबपतियों से केवल 3फीसदी जीएसटी वसूला जाता है, जबकि कॉरपोरेट टैक्स की दर 30फीसदी से घटाकर 22फीसदी कर दी गई है।

महिला वनडे विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का एलान, मोलिनक्स और वेयरहैम की वापसी

मेलबर्न (एजेंसी)। सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम डिफेंडिंग चैंपियन भी है और आगामी प्रतियोगिता में भी वह अपना दबदबा कायम रखने उतरेगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को आगामी महिला वनडे विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम का एलान कर दिया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज एलिसा हीली की अगुआई में महिला वनडे विश्व कप में उतरेगी। बाएं हाथ की स्पिनर सोफी मोलिनक्स और ऑलराउंडर जॉर्जिया वेयरहैम ने चोट से उबरने के बाद टीम में वापसी की है। सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम डिफेंडिंग चैंपियन भी है और आगामी प्रतियोगिता में भी वह अपना दबदबा कायम रखने उतरेगी। यह टूर्नामेंट 30 सितंबर से दो नवंबर तक भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में आयोजित की जाएगी। चोट से उबरकर वापसी करने में सफल रहीं ये खिलाड़ी विक्टोरिया की स्पिनर मोलिनक्स घुटने की चोट के कारण जनवरी से ही बाहर थीं।

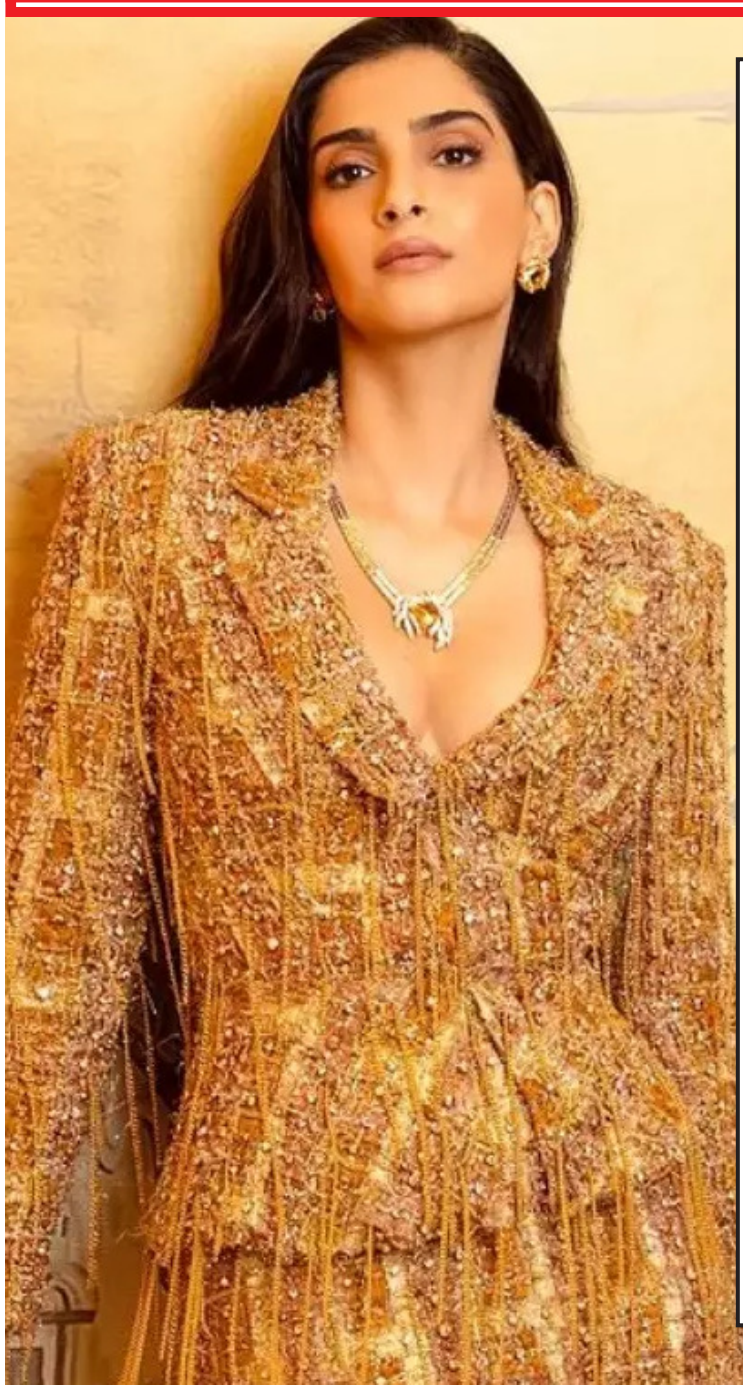

सोनम कपूर

ने जोया ज्वेल्स के नए कलेक्शन में बिखेरा ग्लैमर, शिमरी गाउन में दिखीं लाजवाब

बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस और ग्लोबल फैशन आइकन सोनम कपूर एक बार फिर अपने स्टाइल और ग्रेस से लोगों का दिल जीतने में सफल रहीं। इस बार वह नजर आईं टाटा ग्रुप के प्रतिष्ठित लग्जरी ज्वेलरी ब्रांड जोया के नए कलेक्शन शैंपेचमते तिवउ जीम टंससमलश के लॉन्च इवेंट में, जो हैदराबाद शहर में बड़े ही खास अंदाज में आयोजित किया गया। इस भव्य आयोजन में सोनम कपूर के साथ टाइटन कंपनी लिमिटेड के ज्वेलरी डिवीजन के सीईओ अजॉय चावला मौजूद थे, जिन्होंने कलेक्शन के पीछे की प्रेरणा और डिजाइन की बारीकियों पर प्रकाश डाला। इस इवेंट के दौरान सोनम कपूर ने एक बार फिर साबित किया कि वह क्यों फैशन की दुनिया की ट्रेंडसेटर हैं। उन्होंने मशहूर डिजाइनर राहुल मिश्रा द्वारा डिजाइन किया गया एक शानदार कूचर गाउन पहना था, जो पूरे कार्यक्रम में सभी की नजरों का अटेंशन पॉइंट बना रहा। अपने इस रॉयल लुक को और भी आकर्षक बनाने के लिए सोनम ने जोया के नवीनतम कलेक्शन में से स्प्रिंग सॉन्ग चोकर और इयररिंग्स पहने। इन ज्वेलरी पीसेज में कश्मीर की वादियों की बफीर्ली शांति और हरे-भरे सेबों की ताजगी का सुंदर समावेश देखने को मिला। बता दें, सोनम कपूर लंबे समय से जोया की ब्रांड एंबेसडर रही हैं और दोनों की साझेदारी ने ज्वेलरी की दुनिया में नए ट्रेंड्स सेट किए हैं। सोनम का रॉयल और क्लासी फैशन सेंस, जोया के लग्जरी और एलीगेंस से भरपूर डिजाइन्स के साथ एक शानदार मेल बनाता है।

प्रीति जिंटा ने बाढ़ पीड़ितों की ओर बढ़ाया मदद का हाथ, पंजाब किंग्स ने दान किए 33 .8 लाख

भारत के कई राज्य मौजूदा समय में भारी बारिश के कारण बाढ़ से ग्रस्त हैं। सबसे खराब स्थिति फिलहाल पंजाब की है। देश भर के सभी सेलिब्रिटी पंजाब के लिए दुआ कर रहे हैं। अब आईपीएल फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स की मालिकिन और एक्ट्रेस बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाया है। आईपीएल फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स ने राज्य में बाढ़ पीड़ितों के लिए अब लगभग 34 लाख डोनेट करने का फैसला किया है। इसके अलावा टीम क्राउडफंडिंग के जरिए भी 2 करोड़ जुटाने का प्लान बना चुकी है। राज्य की स्थिति दिन पर दिन बाढ़ के कारण खराब होती जा रही है जिसको देखते हुए फ्रेंचाइजी ने अब मशहूर हेमकुंड फाउंडेशन और आरटीआई के साथ हाथ मिलाकर मदद करने का फैसला किया। फ्रेंचाइजी इन दोनों संगठनों को कुल मिलाकर 33.8 लाख दान करने का ऐलान सोशल मीडिया पर किया है जिसके बाद प्रीति जिंटा की फ्रेंचाइजी के फैंस एक बार फिर से दीवाने हो गए हैं। फ्रेंचाइजी ने खुद दान करने के बाद ऑनलाइन क्राउड फंडिंग ऐप केटो के जरिए 15 सितंबर तक 2 करोड़ जुटाने का लक्ष्य रखा है। इन पैसों को फ्रेंचाइजी ग्लोबल सिख चैरिटी को देगी जिससे वो पंजाब के गांव-गांव में जाकर लोगों को मदद पहुंचा सके। फिलहाल राज्य के कई गांव और शहर में बाढ़ की वजह से हालत हद से ज्यादा खराब है। फ्रेंचाइजी ने इसके साथ ही बताया कि दान किए जा रहे फंड के जरिए रेस्क्यू बोट खरीदी जाएंगी जिसका इस्तेमाल बाढ़ प्रभावित इलाके में फंसे हुए लोगों को निकालने में और मेडिकल इमरजेंसी के मामलों में काम लाया जाएगा। इसके अलावा जरूरत की चीजों और साफ पानी भी प्रभावित लोगों को तक पहुंचाने में इन पैसों का इस्तेमाल होगा।

पुलिस के हत्थे चढ़ी 41 साल की टीवी एक्ट्रेस, अभिनेत्रियों से कराती थी देहव्यापार

मुंबई से सटे काशीमिरा पुलिस थाना क्षेत्र में पुलिस ने छापा मारकर वेश्यावृत्ति रैकेट का भंडाफोड़ किया। इस कार्रवाई में 41 की एक्ट्रेस अनुष्का मोनी मोहन दास को गिरफ्तार किया गया। 41 की एक्ट्रेस कथित तौर पर वेश्यावृत्ति का धंधा चलाने और महत्वाकांक्षी महिला कलाकारों को इस अवैध धंधे में धकेलने का आरोप लगा है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने इस दौरान दो टीवी सीरियल और बंगाली फिल्मों में काम कर चुकी महिला कलाकारों को भी मुक्त कराया है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि गुप्त जानकारी के आधार पर पुलिस ने दो नकली ग्राहक (डिकॉय) तैयार किए थे। आरोपियों ने ग्राहकों को मुंबई,अहमदाबाद हाईवे के पास काशीमिरा स्थित एक मॉल में बुलाया था। इसके बाद पुलिस ने जाल बिछाकर आरोपियों को रंगेहाथ पैसे लेते हुए पकड़ा और तुरंत हिरासत में ले लिया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक-यह रैकेट हाई-प्रोफाइल ग्राहकों के लिए चलाया जा रहा था। आरोपी अभिनेत्री बिचौलिए की भूमिका निभा रही थी, उसे गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

फेमस एक्ट्रेस के सिर से उठा पिता का साया, पापा के संग यादें शेयर कर हुई इमोशनल

भोजपुरी फिल्मों और टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस मोनालिसा इन दिनों गहरे दुख में हैं। उनके पिता अब इस दुनिया में नहीं रहे। पिता के निधन की खबर से मोनालिसा का दिल टूट गया है और वह इस दर्द को शब्दों के जरिए सोशल मीडिया पर बयां कर रही हैं। मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उनके पापा नजर आ रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि मोनालिसा के पापा एक पारिवारिक फंक्शन में डांस कर रहे हैं और उनके चेहरे पर प्यारी-सी मुस्कान है। इस वीडियो में परिवार के बाकी लोग भी दिख रहे हैं, जो उन्हें देखकर बेहद खुश हो रहे हैं। इस इमोशनल वीडियो के साथ मोनालिसा ने जो कैप्शन लिखा, उसने फैंस की आंखें नम कर दीं। उन्होंने लिखा आप बहुत फनी थे। गठिया का दर्द होते हुए भी आपने हमेशा पॉजिटिव रहने की कोशिश की। खूब मिस कोरची तोमाए बाबा इस लाइन से साफ है कि मोनालिसा अपने पिता से बेहद जुड़ी हुई थीं और उनके चले जाने से वह खुद को बहुत अकेला महसूस कर रही हैं। इससे पहले भी मोनालिसा ने अपने पिता के साथ बिताए पलों की कुछ पुरानी तस्वीरें शेयर की थीं और एक लंबा इमोशनल नोट लिखा था, जिसमें उन्होंने अपने पापा के साथ के पलों को याद किया और बताया कि उन्होंने अपने जीवन में कितनी मजबूती और प्यार से परिवार को संभाला। मोनालिसा के इस पोस्ट पर सोशल मीडिया पर उनके फैंस और सेलेब्रिटीज की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। हर कोई उनके पिता की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर रहा है। किसी ने लिखा, भगवान उनकी आत्मा को शांति दे।ष तो किसी ने कहा, जानकर बहुत दुख हुआ। ओम शांति। मोनालिसा के लिए ये वक्त बेहद मुश्किल है। एक बेटी के लिए अपने पिता को खो देना ऐसा दुख है जिसकी कोई भरपाई नहीं हो सकती। सोशल मीडिया पर उन्होंने अपने जज्बातों को शब्दों में ढालने की कोशिश की, लेकिन उनके दर्द को हर कोई महसूस कर पा रहा है।

बागी 4 फिल्म रिव्यू: दमदार एक्शन और धमाकेदार डायलॉग्स से सजी है बागी 4, टाइगर श्रॉफ ने काटा गर्दा

फिल्म- बागी 4 स्टारकास्ट- टाइगर श्रॉफ, संजय दत्त, हरनाज संधू ,सोनम बाजवा, श्रेयस तलपड़े, उपेंद्र लिमये, सौरभ सचदेवा, शीबा आकाशदीप साबिर और महेश ठाकुर डायरेक्टर- ए हर्षा रेटिंग- 3.5ह्ल बागी 4 बागी 4 एक बार फिर दर्शकों को रॉनी की खतरनाक और इमोशनल दुनिया में ले जाती है जहां एक्शन के साथ-साथ दर्द, गिल्ट और प्यार का गहरा एहसास देखने को मिलता है। टाइगर श्रॉफ इस बार सिर्फ लड़ते नहीं हैं, बल्कि एक टूटे हुए इंसान के तौर पर भावनात्मक लड़ाई भी लड़ते हैं। ए हर्षा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में जबरदस्त एक्शन के साथ मनोवैज्ञानिक थ्रिल और दिल को छूलेने वाली कहानी का अनोखा मेल देखने को मिलता है। दमदार परफॉर्मेंस, शानदार एक्शन और रॉनी की जज्बातों से भरी जर्नी के साथ बागी 4 एक नया एक्सपीरियंस देती है। कहानी बागी 4 की कहानी रॉनी (टाइगर श्रॉफ) के इर्द-गिर्द घूमती है जो एक खौफनाक ट्रेन हादसे में चमत्कारिक रूप से बच जाता है। लेकिन इस हादसे के बाद वह खुद को भाग्यशाली महसूस करने के बजाय गिल्ट और गहरे दर्द में डूब जाता है। एक बड़ी त्रासदी और अपने प्यार को खोने का दुख उसे अंदर से तोड़ देता है और वह धीरे-धीरे खुद को बबार्दी की ओर ले जाने लगता है। रॉनी की मानसिक स्थिति बिगड़ने लगती है और उसे यह समझ नहीं आता कि वह जिन चीजों को देख और महसूस कर रहा है वे सच हैं या सिर्फ उसकी कल्पनाएं। उसकी टूटी हुई दुनिया में बार-बार उस महिला की यादें लौटती हैं जिससे वह बेइंतहा प्यार करता था। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है रॉनी की जंग सिर्फ बाहरी दुश्मनों से नहीं बल्कि अपने भीतर के अंधेरे, डर और दर्द से भी होती है। फिल्म एक्शन, इमोशन और मनोवैज्ञानिक तनाव से भरपूर एक रोमांचक यात्रा बन जाती है। एक्टिंग बागी 4 में टाइगर श्रॉफ ने एक बार फिर जबरदस्त एक्शन और स्टाइलिश अंदाज में दर्शकों का दिल जीता है। उनके एक्शन सीक्वेंस और फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन काबिल-ए-तारीफ हैं। संजय दत्त ने अपने मजबूत स्क्रीन प्रेजेंस और गंभीर अंदाज से कहानी में गहराई लाई है। उनकी डायलॉग डिलीवरी हमेशा की तरह दमदार रही। हरनाज संधू ने इस फिल्म से एक्टिंग डेब्यू किया है और उन्होंने अपनी सादगी और स्क्रीन प्रेजेंस से अच्छी छाप छोड़ी है। सोनम बाजवा भी अपने ग्लैमरस लुक और ठोस परफॉर्मेंस के साथ प्रभावित करती हैं। श्रेयस तलपड़े ने अपनी नेचुरल एक्टिंग से कहानी में हल्का-फुल्का अंदाज जोड़ा है जबकि उपेंद्र लिमये ने अपने गंभीर और प्रभावशाली अभिनय से फिल्म में मजबूती दी है। सौरभ सचदेवा अपने खलनायक वाले किरदार में सधे हुए नजर आए, वहीं शीबा, आकाशदीप साबिर, और महेश ठाकुर ने अपने-अपने सहायक किरदारों को ईमानदारी से निभाया और फिल्म की कहानी को संतुलन दिया। डायरेक्शन फिल्म बागी 4 का निर्देशन ए हर्षा ने किया है और उन्होंने इसे बड़े ही सधे हुए और प्रभावशाली अंदाज में पेश किया है।

मैथ्यू ब्रीत्जके शुरूआती पांच वनडे में 50+ रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी, इंग्लैंड को पांच रन से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम ने 50 ओवर में आठ विकेट खोकर 330 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड की टीम निर्धारित ओवरों में नौ विकेट पर 325 रन ही बना पाई और मुकाबला पांच रन से हार गई। दक्षिण अफ्रीका ने गुरुवार को मैथ्यू ब्रीत्जके की अर्धशतकीय पारी की मदद से इंग्लैंड को दूसरे वनडे में पांच रन से हराकर सीरीज में अजेय बढ़त बना ली। इससे पहले हैरी ब्रूक के नेतृत्व वाली टीम ने मेजबानों को शुरूआती मैच में सात विकेट से हराया था। अब दोनों टीमों का सामना तीसरे मैच में सात सितंबर को आमना-सामना होगा। गुरुवार को लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम ने 50 ओवर में आठ विकेट खोकर 330 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड की टीम निर्धारित ओवरों में नौ विकेट पर 325 रन ही बना पाई और मुकाबला हार गई। इसी के साथ दक्षिण अफ्रीका की टीम ने 2-1 से सीरीज में अजेय बढ़त हासिल कर ली। ब्रीत्जके ने रचा इतिहास बीमार वियान मुल्डर की जगह टीम में शामिल किए गए ब्रीत्जके वनडे इतिहास में अपने पहले पांच मैचों में कम से कम अर्धशतक बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

'शांति समझौते से पहले किसी देश की फौज घुसी तो तबाही तय'

यूक्रेन पर पुतिन का सख्त रुख

कीव (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चेतावनी दी है कि शांति समझौते से पहले अगर विदेशी सैनिक यूक्रेन में तैनात किए जाते हैं तो उन्हें वैध निशाना माना जाएगा। यह बयान फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों के उस प्रस्ताव के बाद आया जिसमें 26 देशों ने शांति बल भेजने की प्रतिबद्धता जताई। पुतिन ने कहा कि रूस किसी भी अंतिम शांति समझौते का पालन करेगा, लेकिन युद्ध के दौरान विदेशी सैनिक बर्दाश्त नहीं होंगे। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को साफ चेतावनी दी कि अगर किसी भी विदेशी सैनिक को शांति समझौते से पहले यूक्रेन में तैनात किया जाता है, तो उन्हें रूस की सेना 'वैध निशाना' मानेगी। पुतिन ने यह बयान ऐसे समय दिया है जब यूरोपीय नेताओं ने यूक्रेन के लिए संभावित शांति मिशन को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। व्लादिवोस्तोक में आयोजित ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम में पुतिन ने कहा कि अगर यूक्रेन में कोई सैनिक आता है, खासकर अभी जब लड़ाई जारी है, तो हम मानेंगे कि वे वैध निशाने हैं। उन्होंने शांति बलों की तैनाती के विचार को खारिज करते हुए कहा कि रूस किसी भी अंतिम शांति समझौते का पालन करेगा, लेकिन फिलहाल लड़ाई के बीच विदेशी सैनिकों की मौजूदगी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फ्रांस के राष्ट्रपति का प्रस्ताव पुतिन की यह प्रतिक्रिया फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि यूक्रेन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 26 देशों ने सैनिक भेजने की प्रतिबद्धता जताई है। पेरिस में 35 देशों के गठबंधन की बैठक के बाद मैक्रों ने कहा कि ये सैनिक किसी भी युद्धविराम या शांति समझौते के बाद 'रिअश्योरेंस फोर्स' के तौर पर तैनात होंगे। रूस की असहमति रूस बार-बार कह चुका है कि नाटो या किसी भी तरह के अंतरराष्ट्रीय शांति बल की यूक्रेन में मौजूदगी अस्वीकार्य है। पुतिन ने जोर देकर कहा कि रूस और यूक्रेन दोनों की सुरक्षा गारंटी जरूरी हैं। उन्होंने इशारा किया कि शांति समझौते के बाद भी रूस अपनी सुरक्षा को लेकर किसी भी तरह की चूक नहीं करेगा। रूस-यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि गौरतलब है कि रूस ने 24 फरवरी 2022 को यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर हमला किया था। इससे पहले 2014 में रूस ने यूक्रेन के क्रीमिया प्रायद्वीप पर कब्जा कर लिया था। अब तक यह संघर्ष साढ़े तीन साल से जारी है और हजारों लोगों की जान जा चुकी है। रूस और पश्चिमी देशों के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। पुतिन का यह बयान संकेत देता है कि रूस यूक्रेन में किसी भी विदेशी सैन्य उपस्थिति को सीधे चुनौती देगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि शांति समझौते के बाद रूस उसका पालन करेगा। लेकिन जब तक युद्ध जारी है, किसी भी बाहरी ताकत का दखल रूस को सीधे युद्ध विस्तार की ओर धकेल सकता है। यह स्थिति यूरोप और पूरी दुनिया के लिए गंभीर चुनौती बन सकती है।

जालसाजों ने क्लोन चेक के जरिए अगरतला नगर निगम के खाते से 16.43 करोड़ रुपये उड़ाए, प्राथमिकी दर्ज

अगरतला (एजेंसी)। पश्चिम अगरतला पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी (ओसी) राणा चटर्जी ने संवाददाताओं को बताया, 'एक बैंक अधिकारी की विशेष शिकायत के बाद हमने गुरुवार को एएमसी के खाते से 16.38 करोड़ रुपये की हेराफेरी के आरोप में एक प्राथमिकी दर्ज की है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि हैदराबाद से संचालित जालसाजों ने बैंक से बड़ी रकम निकालने के लिए छह क्लोन चेक का इस्तेमाल किया था।'

पुलिस ने क्लोन चेक का इस्तेमाल करके अगरतला नगर निगम (एएमसी) के खाते से 16.38 करोड़ रुपये निकालने के आरोप में अज्ञात जालसाजों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यूको बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक संजीव रॉय ने पाया कि अगस्त और सितंबर के पहले भाग में छह क्लोन चेकों के जरिए नगर निगम के खाते से 16.38 करोड़ रुपये निकाले गए थे, जिसके बाद पश्चिम अगरतला पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। हेराफेरी के आरोप में प्राथमिकी दर्ज पश्चिम अगरतला पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी (ओसी) राणा चटर्जी ने संवाददाताओं को बताया, 'एक बैंक अधिकारी की विशेष शिकायत के बाद हमने गुरुवार को एएमसी के खाते से 16.38 करोड़ रुपये की हेराफेरी के आरोप में एक प्राथमिकी दर्ज की है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि हैदराबाद से संचालित जालसाजों ने बैंक से बड़ी रकम निकालने के लिए छह क्लोन चेक का इस्तेमाल किया था।'

सीएम स्टालिन ने ऑक्सफोर्ड में पेरियार के चित्र का अनावरण किया

बोले- उनके तर्कवाद से पूरी दुनिया चमकी

ऑक्सफोर्ड (एजेंसी)। स्टालिन ने कहा कि पेरियार के दर्शन का मतलब आत्मसम्मान, तर्कवाद, सामाजिक न्याय, लिंग समानता, वैज्ञानिक सोच, महिलाओं का उत्थान और धर्मनिरपेक्ष राजानीति होता है। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने ब्रिटेन की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी ऑक्सफोर्ड में समाज सुधारक ई.वी रामासामी पेरियार के चित्र का अनावरण किया। आत्म सम्मान आंदोलन की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सीएम स्टालिन ने भी शिरकत की। स्टालिन ने बताया पेरियार के दर्शन का मतलब कार्यक्रम के दौरान स्टालिन ने कहा कि 'पेरियार के चित्र का

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में, जो ज्ञान, मानवाधिकार और गरिमा का पर्याय है, अनावरण करना सबसे यादगार क्षण है और बड़े ही सम्मान की बात है। अब पेरियार का तर्कवाद तमिलनाडु के पार जाकर पूरी दुनिया में अपनी चमक बिखेर रहा है।' स्टालिन ने बताया कि करीब 40 साल पहले भी डीएमके ने ऑक्सफोर्ड में पेरियार के जन्म शताब्दी वर्ष का उत्सव मनाया था। स्टालिन ने कहा कि पेरियार के दर्शन का मतलब आत्मसम्मान, तर्कवाद, सामाजिक न्याय, लिंग समानता, वैज्ञानिक सोच, महिलाओं का उत्थान और धर्मनिरपेक्ष राजानीति होता है। कानून बनने से पहले विधवा विवाह जैसे सुधारों का दिया विचार स्टालिन ने कहा कि पेरियार के सुधारवादी विचार अपने समय से पहले के थे। पेरियार ने अंतरजातीय विवाह, विधवा विवाह, दलितों की मंदिरों में एंट्री, शिक्षा और नौकरियों में आरक्षण, महिलाओं को संपत्ति का अधिकार दिलाने पर कानून बनने से बहुत पहले इनका समर्थन किया था। तमिलनाडु सीएम ने कहा कि तमिलनाडु में अकाल के चलते कोई मौत नहीं होती। राज्य शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्योग के साथ ही सामाजिक विकास में भी आगे है। यही पेरियार की असल जीत है। स्टालिन ने अपील की कि पेरियार की किताबों को विभिन्न भाषाओं में अनुवादित किया जाए, ताकि उनके तर्कवाद, समानता और सामाजिक न्याय के विचारों से दुनिया वाकिफ हो सके।

अमेरिका में कितना निवेश कर रहे? डिनर पार्टी में ट्रंप का टेक दिग्गजों से सीधा सवाल; मिला ये जवाब

वॉशिंगटन (एजेंसी)। व्हाइट हाउस में एक विशेष रात्रिभोज के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एपल, गूगल, मेटा और माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी टेक कंपनियों से अमेरिका में निवेश की जानकारी ली। कंपनियों ने सैकड़ों अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की। कभी ट्रंप के करीबी रहे एलन मस्क इस रात्रिभोज में नहीं दिखे।

व्हाइट हाउस में आयोजित एक विशेष रात्रिभोज के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दिग्गज टेक कंपनियों के प्रमुखों से सीधा सवाल किया कि आप अमेरिका में कितना निवेश कर रहे हैं? इस खास रात्रिभोज में एपल, गूगल, मेटा और माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मौजूद थे। ट्रंप ने एपल के सीईओ टिम कुक से पूछा, 'टिम, एपल अमेरिका में कितना पैसा निवेश कर रहा है? मुझे पता है यह बहुत बड़ी रकम है। आप पहले कहीं और थे, अब आप वाकई अमेरिका लौट रहे हैं। कितना पैसा निवेश करेंगे? टिम कुक ने जवाब दिया, 600 अरब डॉलर। इस पर ट्रंप ने प्रतिक्रिया दी, '600 अरब डॉलर? इससे बहुत सारी नौकरियां होंगी। हमें इस पर गर्व है। यह शानदार है। बहुत-बहुत धन्यवाद।' इसके बाद ट्रंप के दाहिने ओर बैठे मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने भी कहा, 600 अरब डॉलर। फिर गूगल की बारी आई। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा, हम पहले ही सौ अरब डॉलर से ऊपर निवेश कर चुके हैं और अगले दो वर्षों में अमेरिका में यह निवेश ढाई सौ अरब डॉलर हो जाएगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने जवाब दिया, यह बहुत अच्छा है। हमें आप पर गर्व है। धन्यवाद। यह बहुत सारी नौकरियां लाएगा। माइक्रोसॉफ्ट के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कंपनी के सीईओ सत्य नडेला ने कहा, इस साल अमेरिका में हम लगभग 75 से 80 अरब डॉलर निवेश करने वाले हैं। ट्रंप ने मुस्कराते हुए कहा, अच्छा है, बहुत अच्छा। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्रीलंका बस दुर्घटना, 1000 फीट से ज्यादा गहरी खाई में गिरी; 15 लोगों की मौत

कोलंबो (एजेंसी)। अधिकारियों ने बताया कि घायलों को बादुल्ला टीचिंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां

कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। दक्षिणी श्रीलंका के उवा प्रांत के बादुल्ला जिले में एक सड़क दुर्घटना में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 15 अन्य घायल भी बताए जा रहे हैं। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि गुरुवार को स्थानीय समयानुसार रात करीब 9 बजे दक्षिणी शहर तांगाले से 30 से ज्यादा लोगों का एक समूह पिकनिक पर निकला था। तभी उनकी बस एला शहर में 1000 फीट से ज्यादा गहरी खाई में गिर गई। सामने से आ रही जीप से टकरा गई थी बस जानकारी के मुताबिक, बस सड़क की रेलिंग से टकराने और नीचे गिरने से पहले एक सामने से आ रही जीप से टकरा गई थी। मृतकों में नौ महिलाएं शामिल हैं। ये सभी तांगाले शहरी परिषद की कर्मचारी थीं। कई की हालत गंभीर रिपोर्ट के अनुसार, सेना, पुलिस, आपदा प्रबंधन दल और स्थानीय निवासियों की ओर से बचाव कार्य किया गया। अधिकारियों ने बताया कि घायलों को बादुल्ला टीचिंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।

'जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क के अगले मेयर बन सकते हैं, लेकिन...', राष्ट्रपति ट्रंप का चौंकाने वाला

वॉशिंगटन (एजेंसी)। जोहरान खुले तौर पर फलस्तीनी मुद्दों का समर्थन करते हैं। उन्होंने इस्त्राइल की गाजा में सैन्य कार्रवाई को 'नरसंहार' कहा और वहां समान अधिकारों वाला एक राष्ट्र बनाने की वकालत की। उनके विरोधी उन्हें इस कारण यहूदी विरोधी बताते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन्हें लगता है कि डेमोक्रेट पार्टी के उम्मीदवार जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क शहर के अगले मेयर बन सकते हैं, लेकिन उनके खिलाफ चुनाव लड़ रहे तीन प्रमुख उम्मीदवारों में से दो को दौड़ से बाहर होना पड़ेगा। हालांकि ट्रंप ने ये नहीं बताया कि वे दो उम्मीदवार कौन से होंगे। गुरुवार रात एक कार्यक्रम में जब एक रिपोर्टर ने ट्रंप से पूछा कि क्या उन्होंने दौड़ में शामिल किसी उम्मीदवार को दौड़ से बाहर होने के लिए कहा, तो ट्रंप ने इससे इनकार किया। ट्रंप ने कहा कि 'मुझे नहीं लगता ममदानी तब तक जीत सकते हैं, जब तक कि मुकाबला सिर्फ दो लोगों के बीच न हो। ममदानी ने थोड़ी बढ़त बना ली है, मुझे नहीं पता कि ये कैसे हुआ।' 33 वर्षीय ममदानी जून में हुए डेमोक्रेटिक प्राइमरी चुनाव में पूर्व मेयर एंड्रयू कुओमो को हराकर सभी को हैरान कर दिया था। हालांकि कुओमो अब भी चुनाव मैदान में हैं और वे निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। इनके अलावा मौजूदा मेयर एरिक एडम्स भी चुनाव मैदान में हैं, जिससे न्यूयॉर्क मेयर पद का चुनाव बेहद दिलचस्प हो

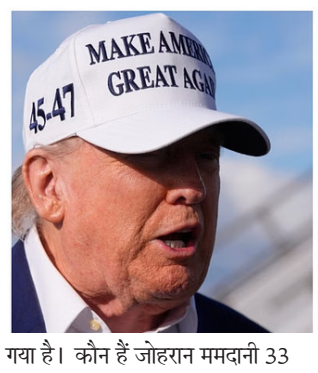

गया है। कौन हैं जोहरान ममदानी 33 वर्षीय जोहरान न सिर्फ अमेरिका के सबसे बड़े शहर में मेयर बनने की दौड़ में हैं, बल्कि अगर वो जीतते हैं तो वो न्यूयॉर्क के पहले मुस्लिम और पहले भारतीय-अमेरिकी सबसे युवा मेयर बनेंगे। जोहरान का जन्म युगांडा की राजधानी कंपाला में हुआ था। उनके माता-पिता भारतीय मूल के हैं। जोहरान की मां मीरा नायर एक मशहूर फिल्म निमार्ता हैं, जिन्होंने 'मानसून वेडिंग', 'द नेमसेक' और 'मिसिसिपी मसाला' जैसी अंतरराष्ट्रीय फिल्मों का निर्देशन किया है। उनके पिता महमूद ममदानी कोलंबिया यूनिवर्सिटी में मानव विज्ञान के प्रोफेसर हैं। जोहरान खुले तौर पर फलस्तीनी मुद्दों का समर्थन करते हैं। उन्होंने इस्त्राइल की गाजा में सैन्य कार्रवाई को 'नरसंहार' कहा और वहां समान अधिकारों वाला एक राष्ट्र बनाने की वकालत की। उनके विरोधी उन्हें इस कारण यहूदी विरोधी बताते हैं, लेकिन न्यूयॉर्क के करीब 8 लाख मुस्लिम मतदाताओं के बीच वे खासे लोकप्रिय हैं। अमेरिका का सबसे ज्यादा यहूदी आबादी वाला शहर है न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क इस्त्राइल के बाहर दुनिया में सबसे ज्यादा यहूदी आबादी वाला शहर है। जोहरान ममदानी इस्त्राइल विरोधी हैं और वे खुलेआम इस्त्राइल के अस्तित्व पर सवाल उठाते हैं। यही वजह है कि जोहरान ममदानी के न्यूयॉर्क मेयर बनने पर यहूदियों का अमेरिका के इस प्रमुख शहर पर दबदबा कम हो सकता है। पहले ही न्यूयॉर्क में यहूदियों के खिलाफ घृणा अपराध की घटनाएं बढ़ गई हैं और जोहरान ममदानी के मेयर बनने के बाद इनमें बढ़ोतरी हो जाए तो उसमें हैरानी नहीं होगी।

नेपाल में बड़ा डिजिटल स्ट्राइक, फेसबुक-यूट्यूब समेत 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बंद

काठमांडो (एजेंसी)। नेपाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद फेसबुक, ट्विटर (एक्स), यूट्यूब समेत 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को बंद करने का

निर्णय लिया है। सूचना मंत्रालय ने नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण को इन प्लेटफॉर्म्स को तत्काल प्रभाव से बंद करने का निर्देश दिया है। पंजीकरण के बाद इन्हें पुनः संचालन की अनुमति दी जा सकती है। नेपाल सरकार ने फेसबुक, ट्विटर (एक्स), यूट्यूब समेत कुल 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बंद करने का फैसला किया है। यह निर्णय मंत्रि परिषद की बैठक तथा सुप्रीम कोर्ट के परमादेश के कार्यान्वयन स्वरूप सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को लिया। सूत्रों के अनुसार मंत्रालय में हुई बैठक में नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण को इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को तत्काल प्रभाव से बंद करने के लिए पत्राचार किया गया है। यदि ये सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म नेपाल में आधिकारिक रूप से पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करते हैं तो उन्हें क्रमशः पुनः संचालन की अनुमति दी जाएगी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने बिना अनुमति संचालित सोशल मीडिया, ओवर द टॉप एप्स और इंटरनेट ब्राउजर के माध्यम से विज्ञापन सहित प्रसारित सामग्री पर रोक लगाने तथा इनके नियमन हेतु आवश्यक कानून बनाने का आदेश सरकार को दिया था।

'दिव्यागों के लिए एम्बुलेंस, सुलभ सार्वजनिक परिवहन और पुनर्वास योजना...'

सरकार ने जारी किए दिशानिर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सड़क हादसों में दिव्यांग हुए लोगों के लिए नई ड्राफ्ट एसओपी जारी की है। इसमें दिव्यांग-हितैषी एम्बुलेंस, प्रशिक्षित मददगार, सुलभ सार्वजनिक परिवहन और पुनर्वास योजनाएं शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट के 2014 निर्देश पर बनी इस गाइडलाइन में कई व्यवस्थाओं का प्रावधान है। केंद्र सरकार ने सड़क हादसों में दिव्यांग हुए लोगों के लिए नई ड्राफ्ट स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) जारी की है। इसमें दिव्यांग-हितैषी एम्बुलेंस, तेजी से पीड़ितों की निकासी, प्रशिक्षित पहले मददगार, सुलभ पब्लिक ट्रांसपोर्ट और व्यापक पुनर्वास योजनाओं का प्रावधान किया गया है। यह ड्राफ्ट दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (DEPwD) ने तैयार किया है और इसे पिछले महीने सार्वजनिक सुझावों के लिए जारी किया गया। 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को सड़क सुरक्षा और हादसे के बाद देखभाल के लिए रडढ तैयार करने का निर्देश दिया था। उसी के तहत यह ड्राफ्ट तैयार किया

गया है। इसमें हादसे के शिकार लोगों की पहचान, त्वरित चिकित्सा, पुनर्वास और लंबे समय तक सामाजिक रूप से जोड़ने की योजना शामिल है। सड़क और परिवहन ढांचे पर जोर ड्राफ्ट एसओपी के अनुसार, सभी नए और संशोधित सड़क व परिवहन ढांचे को दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 और इंडियन रोड्स कांग्रेस (आईआरसी) कोड्स के अनुरूप बनाया जाएगा। इसमें टैक्टाइल पाथ, रैंप, ऑडिबल सिग्नल, लो-फ्लोर बसें और प्राथमिकता सीटिंग जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को नियमित रूप से एक्सेसिबिलिटी ऑडिट करने होंगे। आपातकालीन व्यवस्था और एम्बुलेंस हादसों के दौरान पुलिस, पैरामेडिक्स और मददगारों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि वे रीढ़ या अंगों की चोट वाले पीड़ितों को सही तकनीक से संभाल सकें। एम्बुलेंस में रैंप और एडजस्टेबल स्ट्रेचर होंगे।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।